कोटद्वार, गुरूवार
11 सितम्बर 2025
वर्षः 47
अंकः 127 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

खांई घाटी में अधिक बारिश से फसलें बर्बाद

उत्तरकाशी। सामान्य से अधिक हुई बारिश ने खांई घाटी के किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सामान्य से ज़्यादा हुई बारिश ने न सिर्फ उनकी खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है, बल्कि आने वाली फसलों की बुआई पर भी असर डाला है। समस्या को लेकर किसानों में गहरी चिंता है। लाल धान की खेती करने वाले किसान नवीन गैरोला ने कहा कि इस साल धान की फसल को सबसे ज़्यादा नुकसान हुआ है। वहीं सेब उत्पादक किसान रामप्रसाद,कपिल देव ने कहा कि भारी बारिश के कारण उनकी सेब की फसल को भी भारी क्षति पहुंची है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों की इस गंभीर समस्या को देखते हुए राज्य स्तरीय लघु सिंचाई सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष जगत सिंह चौहान ने केंद्रीय कृषि, कृषि कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने फसल खराब होने और समय पर बुआई न हो पाने के कारण किसानों को हुए नुकसान की जाँच की मांग की है। चौहान ने पत्र में बताया है कि भारी बारिश से धान, राजमा, सब्जियां और तिलहन जैसी खड़ी फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई हैं। इसके अलावा, अगस्त में बोई जाने वाली डांडे की मटर,बीन और फ्रांसबीन जैसी फसलें भी किसान बारिश की वजह से बो नहीं पाए हैं। उन्होंने पत्र के माध्यम से आग्रह किया है कि किसानों को हुए नुकसान का सही मूल्यांकन कर उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए। उन्होंने उम्मीद जताई है कि केंद्र सरकार इस मामले में संज्ञान लेते हुए किसानों को राहत पहुंचाएगी।

पिथौरागढ़ में रसोई गैस के लिए मारामारी

पिथौरागढ़। मैदानी क्षेत्रों को जोड़ने वाली सड़कों के बीते दिनों बंद रहने से सीमांत में रसोई गैस संकट गहरा गया है। आपूर्ति कम और मांग अधिक होने से गैस एंजेंसी के लिए उपभोक्ताओं को घरेलू सिलेंडर उपलब्ध कराना मुश्किल हो गया है। नतीजन घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी लोग खाली सिलेंडर घर ले जाने को मजबूर हैं। जिला मुख्यालय में सितारगंज से रसोई गैस की सप्लाई होती है। वाहन टनकपुर मार्ग से होते हुए यहां आवाजाही करते हैं, लेकिन बीते करीब 11 दिनों से यह मार्ग पहले सभी वाहनों के लिए वर्तमान में भारी वाहनों के लिए बंद है। इससे रसोई गैस की सप्लाई लड़खड़ा गई है। वर्तमान में रसोई गैस के वाहन हल्द्वानी से यहां पहुंच रहे हैं, लेकिन रसोई गैस के सीमित वाहन पहुंचने से दिक्कत खड़ी हो गई है। बीते दिन शहर में केवल रसोई गैस के एक वाहन का वितरण हुआ। स्थानीय नीमा ने बताया कि वह रसोई गैस सिलेंडर रिफिल करने को स्पाट में पहुंची, लेकिन रसोई गैस खत्म होने का हवाला देकर उन्हें कल आने के लिए कहा गया। बुधवार को सुबह गैस के वाहन जिला मुख्यालय पहुंचे,वाहन पहुंचने की सूचना के बाद काफी संख्या में लोग सिलेंडर लेने के लिए वितरण केंद्र पहुंच गए। स्वाला में फंसें रसोई गैस के वाहन वाया देवीधुरा आए पिथौरागढ़(आरएनएस)। चंपावत के स्वाला में सड़क बंद होने के बाद यहां रसोई गैस लेकर आ रहे करीब सात से आठ वाहन फंस गए। तिलढुकरी गैस प्रबंधक मंजू बिष्ट ने बताया कि कई दिनों बाद भी सड़क नहीं खुली तो वाहन वापस लौटे और बाद में वाया देवीधुरा होते हुए यहां पहुंचे।

नेपाल में बवाल से सीमा पर हाई अलर्ट

पिथौरागढ़। नेपाल में विरोध प्रदर्शनों की स्थिति को देखते हुए भारत–नेपाल सीमा पर जवानों को हाई अलर्ट मोड में रखा गया है। सीमा पर एसएसबी ने दोदुना संख्या में जवानों की तैनाती कर दी है जो सीमा में चेकिंग अभियान में जुटी है। नेपाल में हिंसा को देखते हुए एसएसबी ने भारत–नेपाल सीमा पर अतिरिक्त संख्या में जवानों को तैनात कर दिया है।

एसएसबी के कमांडेट आशीष कुमार के निर्देश पर झूलापुलों में राजपत्रित अधिकारी की नियुक्ति कर दी गई है जो पल–पल की खबर से अधिकारियों को अपडेट करेंगे। एसएसबी पुलिस व नेपाल सशस्त्र बल के साथ समन्वय स्थापित कर कार्रवाई में जुटी है। सीमा पर राउंड–द–क्लॉक (24 घंटे) संयुक्त नाकाबंदी व चेकिंग अभियान किया जा रहा है।

चुनाव से पहले बिहार की बल्ले–बल्ले, मोदी सरकार ने खोल दिया पिटारा

7,616 करोड़ के रेल और रोड प्रोजेक्टों को मंजूरी

चुनावी मैदान में विकास बनाम वादे की बहस को भी मजबूती देंगी।

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्र सरकार ने राज्य को दो बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की सौगात दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में 7,616 करोड़ रुपये की दो अहम योजनाओं को मंजूरी दी गई। इनमें से एक परियोजना बिहार, झारखंड और बंगाल को जोड़ने वाले रेलवे ट्रैक का दोहरीकरण है, जबकि दूसरी हाई–स्पीड हाईवे परियोजना है, जिससे पूर्वी बिहार की औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। बिहार में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। ऐसे में राज्य को मिली 7,616 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को राजनीतिक नजरिए से भी देखा जा रहा है। रेल और सड़क दोनों योजनाएं न केवल रोजमर्रा की कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगी बल्कि रोजगार, औद्योगिक निवेश और धार्मिक पर्यटन को भी नई दिशा देंगी। ये प्रधानमंत्री मोदी के गति शक्ति मास्टर प्लान और आत्मनिर्भर भारत की सोच के साथ

भागलपुर–दुमका–रामपुरहाट रेल लाइन का होगा दोहरीकरण

मंत्रिमंडल ने 3,169 करोड़ रुपये की लागत से 177 किलोमीटर लंबी भागलपुर–दुमका–रामपुरहाट एकल रेल लाइन के दोहरीकरण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना के तहत परिचालन आसान होगा, भीड़भाड़ कम होगी और 1.5 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई संभव होगी। इस परियोजना से बिहार के बांका के साथ–साथ झारखंड के गोड्डा और दुमका जैसे महत्वाकांक्षी जिलों को सीधा लाभ होगा।

मांस से लदे टेंपो की टक्कर से गाय की मौत के बाद तनाव

हरिद्वार। हरिद्वार जिले के खानपुर क्षेत्र में गाय की मौत के बाद जमकर बवाल हुआ। इस घटना में निर्दलीय विधायक उमेश कुमार समेत 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने 100 से 150 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया है। आरोप है कि विधायक और उनके समर्थकों ने भीड़ को भड़काया और पुलिस पर पथराव किया। घटना लक्सर–रायसी–बालावाली मार्ग पर कुड़ी भगवानपुर गांव के पास हुई, जहां बिजनौर की ओर जा रहे मांस से लदे एक टेंपो ने गाय को टक्कर मार दी। गाय की मौके पर ही मौत हो गई। इससे गुस्साई भीड़ ने टेंपो को घेरकर हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस के साथ विधायक उमेश कुमार भी मौके पर पहुंचे। पुलिस स्थिति को संभालने का प्रयास कर रही थी, तभी भीड़ ने पथराव कर दिया। इस दौरान पुलिसकर्मी मोहित खंतवाल और किशोर नेगी घायल हो गए। हालात बिगड़ते देख कई थानों से अतिरिक्त फोर्स बुलानी पड़ी और पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर–बितर किया। इस मामले में खड़ंजा कुतुबपुर निवासी निक्की दीक्षित ने टेंपो चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

उत्तराखंड आपदा की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील राज्य : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भारत सरकार की अन्तर मंत्रालयी टीम ने भेंट की

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से राज्य में आपदा से हुए नुकसान का जायजा लेने आई भारत सरकार की अन्तर मंत्रालयी टीम ने भेंट की। भारत सरकार की अंतर मंत्रालयी टीम के सदस्यों ने उत्तरकाशी, रूद्रप्रयाग, पौड़ी गढवाल, चमोली, बागेश्वर एवं नैनीताल जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर आपदा से हुए नुकसान का जायजा लेने के बाद बुधवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री से भेंट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड आपदा की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील राज्य है। मानसून अवधि में राज्य को अतिवृष्टि के कारण भूस्खलन, बाढ और जल भराव की गंभीर समस्याओं से जूझना पड़ता है। कहा कि भूस्खलन से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों को मिलकर पूर्वानुमान प्रणाली को और अधिक विकसित करने की दिशा कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष अत्यधिक वर्षा के कारण राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में काफी नुकसान हुआ है। जनहानि के साथ ही परिसंपत्तियों को भी अत्यधिक क्षति पहुंची है। कहा कि राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में बादल फटने व भूस्खलन की घटनाओं से जमीन का स्थाई नुकसान होता है, ऐसी जगहों को दोबारा खेती-बाड़ी या निर्माण कार्यों के लिए प्रयुक्त करना संभव नहीं हो पाता है। इसके लिए प्रभावी कार्ययोजना पर भी उन्होंने बल दिया। अंतर मंत्रालयी टीम ने आपदा प्रभावितों से बातचीत कर मिले फीड बैक का उल्लेख करते हुए राज्य सरकार द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में संचालित राहत कार्यों को सराहनीय बताया। आपदा प्रभावितों के लिए राहत शिविरों में रहने व भोजन की समुचित व्यवस्था, मौके पर ही चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था को भी केन्द्रीय टीम ने बेहतर बताया। केन्द्रीय टीम ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आपदा में मृतकों के परिजनों तथा जिनके घर पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनको पांच लाख रूपये की तात्कालिक सहायता राशि दिए जाने से भी प्रभावितों को काफी राहत मिली है। राज्य में सभी गर्भवती महिलाओं का संपूर्ण डाटा जिला प्रशासन के पास उपलब्ध होने एवं उनके स्वास्थ्य व सुरक्षित प्रसव की व्यवस्था हेतु निरंतर संपर्क रखने की पहल की भी केन्द्रीय टीम ने सराहना की। टीम के सदस्यों ने कहा कि इस तरह की महत्वपूर्ण पहल को अन्य राज्यों में भी अपनाने के लिए अपना सुझाव प्रस्तुत करेगी।

करोड़ों के घोटाले में 17 नामी संस्थानों पर लटकी तलवार

देहरादून। उत्तराखंड में बहुचर्चित करोड़ों के छात्रवृत्ति घोटाले में जल्द बड़ी कार्रवाई हो सकती है। एसआइटी ने पांच जिलों की पुलिस को तीन दिन के भीतर अपने–अपने जिले में उजागर अनियमितताओं की जांच की रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। केंद्र सरकार की छात्रवृति योजना में उत्तराखंड में कुछ वर्ष पूर्व बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर हुआ था, जिसमें अब तक 17 नामी संस्थानों की भूमिका संदिग्ध पाई गई। अब इस मामले में एसआइटी की ओर से संदिग्ध संस्थान और व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई तय की जा सकती है।

पुलिस मुख्यालय में बुधवार को केंद्र सरकार की अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजनाओं में करोड़ों रुपये की अनियमितताओं के मामले में विशेष अन्वेषण दल (एसआइटी) की बैठक हुई। जिसमें पुलिस महानिरीक्षक (अपराध एवं कानून व्यवस्था) ने पांच जिलों देहरादून, हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर, नैनीताल और रुद्रप्रयाग के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को तीन दिन के भीतर संदिग्ध शैक्षणिक संस्थानों और व्यक्तियों की प्रारंभिक जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंपने के कड़े निर्देश दिए हैं। अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र–छात्राओं के लिए केंद्र सरकार की तीन प्रमुख छात्रवृत्ति योजनाएं संचालित की जाती हैं। प्री–मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना और मैरिट–कम–मीन्स छात्रवृत्ति योजना।

ये योजनाएं राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) पर संचालित हैं और छात्रवृत्ति की राशि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की जाती है। लेकिन, उत्तराखंड में वर्ष 2021–22 और 2022–23 के दौरान बड़ी संख्या में ऐसे शैक्षणिक संस्थान और छात्र सामने आए, जिन्होंने फर्जीवाड़ा कर सरकारी धन का गबन किया।

सूत्रों के मुताबिक, जांच में दोषी संस्थानों की मान्यता रद करने की तैयारी है। इसके साथ ही, धोखाधड़ी करने वाले व्यक्तियों, संस्थानों और बिचौलियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज किए जाएंगे।

92 संस्थानों में से 17 पर गहरा संदेह

केंद्र सरकार की ओर से राज्य सरकार को 92 संदिग्ध शैक्षणिक संस्थानों की सूची जांच के लिए भेजी गई थी। शासन ने बीते 19 मई को जारी शासनादेश में सभी जिलाधिकारियों को जांच के आदेश दिए। जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया था कि वे उपजिलाधिकारियों की अध्यक्षता में जांच समितियां गठित करें और विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करें। अब तक की जांच में 92 में से 17 संस्थान संदिग्ध पाए गए हैं, जिनकी रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेज दी गई है।

एसआइटी की सख्त कार्रवाई की तैयारी

घोटाले की गंभीरता को देखते हुए गृह विभाग के बीते 24 जुलाई के शासनादेश तहत एक विशेष अन्वेषण दल (एसआइटी) का गठन किया गया। एसआइटी की अध्यक्षता पुलिस महानिरीक्षक अपराध एवं कानून व्यवस्था कर रहे हैं। यह टीम छात्रवृत्ति योजनाओं में धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज, फर्जी दाखिलों और पैसों के दुरुपयोग जैसे मामलों की तह तक जाएगी। अब उक्त पांचों जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को संदिग्ध संस्थानों और व्यक्तियों की जांच रिपोर्ट तीन दिन में सौंपने को कहा गया है।

जांच में फर्जी दाखिले, बैंक खातों, दस्तावेजों, फीस रसीदों और छात्रवृत्ति आवेदनों की गहन पड़ताल की जा रही है।

12 सितंबर को उपराष्ट्रपति का पद ग्रहण करेंगे सीपी राधाकृष्णन

नई दिल्ली। नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 12 सितंबर को शपथ लेंगे। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को राधाकृष्णन को शपथ दिलाएंगी। यह शपथ ग्रहण समारोह 12 सितंबर को राष्ट्रपति भवन में एक औपचारिक आयोजन में होगा। राधाकृष्णन ने मंगलवार को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को हराकर जीत हासिल की। यह चुनाव पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को अचानक इस्तीफे के बाद आयोजित किया गया था। एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन को मंगलवार को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में चुना गया। उन्हें 452 वोट प्राप्त हुए, जबकि विपक्षी उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। राज्यसभा के महासचिव और निर्वाचन अधिकारी पीसी मोदी ने परिणाम घोषित करते हुए बताया कि 781 सांसदों में से 767 ने मतदान किया, जिससे 98.2 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। इनमें 752 मत वैध और 15 अवैध थे, जिसके कारण प्रथम वरीयता के मतों के लिए आवश्यक बहुमत 377 रह गया। एनडीए को कागजों पर 427 सांसदों का समर्थन था, लेकिन वाईएसआरसीपी के 11 सांसदों ने भी राधाकृष्णन का साथ दिया। दिलचस्प बात यह है कि एनडीए उम्मीदवार को अपेक्षा से 14 वोट अधिक मिले, जिससे विपक्षी खेमे में क्रॉस–वोटिंग की अटकलें शुरू हो गईं।

सड़क दुर्घटना के मामले में केवल हादसे को ही साबित करना पर्याप्त है: हाई कोर्ट

नैनीताल। सड़क हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को बीमा कंपनी से मुआवजा दिलवाने के मामले में उत्तराखंड हाई कोर्ट ने हाल ही में एक बेहद महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। उच्च न्यायालय का कहना है कि मुआवजा पाने के लिए सड़क दुर्घटना को ही साबित किया जाना पर्याप्त है। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने बीमा कंपनी को दुर्घटना के शिकार व्यक्ति के परिवार को मुआवजा दिए जाने के टअऊळ (मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण) के आदेश को बरकरार रखा। जस्टिस आलोक माहरा ने इस मामले में बीमा कंपनी की अपील को खारिज कर दिया और कहा कि सड़क दुर्घटना के मामले में केवल हादसे को ही साबित करना पर्याप्त है और इसमें चालक की लापरवाही साबित करना आवश्यक नहीं है। दरअसल यह मामला 9 साल पहले हुए एक एक्सीडेंट से जुड़ा था। जब 13 जून 2016 को हरप्रीत सिंह उर्फ हैपी अपने दोस्त गौरव को मोटरसाइकिल पर पीछे बैठाकर कालाढूंगी में कहीं जा रहा था, कि तभी सामने से आई एक कार ने उनकी बाइक को चपेट में ले लिया, जिससे दोनों घायल हो गए। बाद में इलाज के दौरान हरप्रीत ने दम तोड़ दिया था। जिसके बाद हरप्रीत की मां राजिंदर कौर ने नैनीताल में मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में मुआवजा याचिका दायर की। ट्रिब्यूनल ने 29 जुलाई 2019 को परिवार को 5.74 लाख रुपए का मुआवजा दिए जाने का आदेश दिया।

18 दिन से बंद यमुनोत्री हाईवे, व्यवसायियों के सामने रोजी रोटी का संकट

उत्तरकाशी। मानसून सीजन के बाद लास्ट अगस्त से ही दूसरे चरण की चारधाम यात्रा शुरू हो जाती थी, लेकिन इस बार आसमानी आफत के कारण जगह जगह सड़कें बंद होने के चलते आधा सितंबर भी बीतने ही वाला है, फिर भी चार धाम यात्रा के प्रथम धाम यमुनोत्री धाम की यात्रा शुरू नहीं हो सकी है। यहां यमुनोत्री हाईवे जंगल चट्टी, बनास और फूलचट्टी के पास से बीते 18 दिनों से बंद है, तो वहीं सिलाई बैंड के पास पहाड़ी से रुक–रुक कर हो रही पत्थरों की बारिश से मार्ग बार–बार बाधित हो रहा है। यमुनोत्री धाम की यात्रा शुरू नही हो पाने से क्षेत्र के व्यवसायियों के सामने रोजी रोटी की भी समस्या खड़ी हो गई है साथ ही बैंक लोन भी जमा नही कर पा रहे हैं। यमुना घाटी होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सोबन सिंह राणा का कहना है कि यमुनोत्री धाम की यात्रा मानसून सत्र से पहले भी अपेक्षा के अनुरूप नहीं चलने से यात्रा मार्ग और यात्रा पर निर्भर सभी व्यवसायियों का व्यवसाय काफी कम चला और मानसून के बाद आज तक भी यात्रा शुरू नही हो पाने से लोगों में मायूसी छाई हुई है। होटल, रेस्टोरेंट, दुकानदार, वाहन मालिक सभी व्यवसायी बैंक का लोन जमा करने में असमर्थ हो रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा यमुनोत्री धाम की यात्रा को पुनः शुरू कराने के लिए अगले सप्ताह तक की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे स्थानीय लोगों की उम्मीद भी इसी पर टिकी हुई है कि यमुनोत्री धाम की यात्रा शुरू हो और उनके व्यवसाय को भी पुनः नए पंख लग सकें। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने भी बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पत्रकारों से बातचीत कर बताया है कि यमुनोत्री नेशनल हाइवे जंगलचट्टी, बनास व फूलचट्टी के पास क्षतिग्रस्त है। जंगलचट्टी में करीब 150 मीटर सड़क मार्ग का हिस्सा ध्वस्त हुआ था। जिसके सुरक्षित और समतलीकरण का कार्य प्रगति पर है। इसी तरह बनास में करीब 40 मीटर सड़क का हिस्सा ध्वस्त हुआ है और फूलचट्टी में भी सड़क मार्ग क्षतिग्रस्त है, जिसे एनएच के द्वारा 12 सितम्बर तक सुचारू करने का भरसक प्रयास किया जा रहा है।

बवाल के बाद सड़कों की सफाई शुरू

नई दिल्ली। नेपाल सरकार के विरुद्ध बड़ा आंदोलन शुरू कर देश के प्रधानमंत्री को इस्तीफे के लिए मजबूर कर दिया। प्रदर्शकारियों ने ना सिर्फ देश संसद भवन और सुप्रीम कोर्ट को आग के हवाले कर दिया, बल्कि कई मंत्रियों के घरों पर भी धावा बोल दिया। बीते 48 घंटे में हालात बुरी तरह बिगड़ गए। अब नेपाली सेना ने सुरक्षा व्यवस्था को अपने हाथों में ले लिया है, जिसके बाद शांति की उम्मीद की जा रही है। इस बीच नेपाल के युवा बुधवार को एक बार फिर सड़कों पर उतरे हैं, लेकिन इस बार वजह कुछ और है।युवा प्रदर्शन करने नहीं, बल्कि सफाई करने के लिए सड़कों पर उतरे हैं। तमाम अनिश्चितताओं के बीच काठमांडू से कुछ तस्वीरें सामने आई हैं जो उम्मीद की किरण जगा रहे हैं कि नेपाल में एक बार फिर शांति की स्थापना की जा सकती है। काठमांडू पोस्ट ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि किस तरह कुछ युवा, जिनमें से कई ने विरोध प्रदर्शनों में भी हिस्सा लिया था,

लैरी एलिसन बने दुनिया के सबसे रईस अरबपति, टेस्ला के एलन मस्क को पछाड़ा

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे रईस अरबपति अब टेस्ला के एलन मस्क नहीं बल्कि ओरेकल के को–फाउंडर लैरी एलिसन हैं। दरअसल, एलिसन की संपत्ति में भारी उछाल आया और उनकी कुल संपत्ति 395.7 अरब डॉलर हो गई है। इसी के साथ एलिसन दुनिया के अरबपतियों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए। वहीं, टेस्ला के मालिक एलन मस्क दूसरे स्थान पर खिसक गए। बता दें कि एलन मस्क साल 2021 में पहली बार दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने थे। वह लंबे समय तक शीर्ष पर रहे लेकिन बाद में अलग–अलग मौकों पर अमेजन के जेफ बेजोस और एलवीएमएच के बर्नार्ड अरनॉल्ट ने उन्हें पछाड़ दिया। कई बार के उतार–चढ़ाव के बाद एक बार फिर एलन मस्क टॉप पर पहुंचे और करीब एक साल से इस पर बने हुए थे।

दौलत में उछाल की वजह

फोर्ब्स की रियल–टाइम बिलेनियर रैंकिंग के अनुसार बुधवार को एलिसन की कुल संपत्ति 395 अरब डॉलर के पार पहुंच गई। यह बढ़ोतरी ओरेकल के शेयरों में ऐतिहासिक तेजी के बाद देखी गई है। बता दें कि बुधवार को ओरेकल के शेयर 41% तक बढ़ गए, जो साल 1992 के बाद सबसे बड़ी वृद्धि है। ओरेकल का बाजार मूल्यांकन अब 947 अरब डॉलर हो गया है। यह तेजी इसलिए भी अहम है क्योंकि कंपनी का पूरा फोकस अपने क्लाउड बिजनेस पर है और इसने हाल ही में एग्रेसिव आउटलुक का जिक्रकिया है।

लैरी एलिसन के बारे में

81 साल के लैरी एक अमेरिकी उद्यमी हैं, जिन्होंने ओरेकल कॉर्पोरेशन की स्थापना की है। उनका पूरा नाम लॉरेंस जोसेफ एलिसन है। उन्होंने शिकागो विश्वविद्यालय में पढ़ाई की, लेकिन डिग्री पूरी किए बिना ही पढ़ाई छोड़ दी। साल 1977 में लैरी ने बॉब माइनर और एड ओट्स के साथ मिलकर सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट लैबोरेटरीज की स्थापना की, जो बाद में ओरेकल कॉर्पोरेशन बन गई। ओरेकल डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम के लिए चर्चित कंपनी है, जो दुनिया भर में बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है। एलिसन ने लंबे समय तक कंपनी के सीईओ के रूप में कार्य किया और अब वे इसके चेयरमैन और मुख्य तकनीकी अधिकारी हैं।

वोट चोरी कैसी और कहां हो रही पकड़ लिया है, जल्द देश की राजनीति में भूचाल: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बुधवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे। राहुल गांधी ने कहा कि देश में मैं जो करता हूं, वह रायबरेली की ताकत से करता हूं। आप लोग मेरे साथ हैं, इसलिए हम आम जन की बात उठा पा रहे हैं। महाराष्ट्र, हरियाणा और तमिलनाडु में वोट चोरी हुई है। चोरी कहां और कैसे की गई है। इसको हमने पकड़ लिया है। शीघ्र ही हम नाइट्रोजन बम फोड़ने जा रहे हैं। जब यह बम फूटेगा तो देश की राजनीति में भूचाल आ जाएगा। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को हरचंदपुर व ऊंचाहार विधानसभा के कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। इसमें बूथ स्तरीय पदाधिकारियों से लेकर विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी रहे पार्टी के नेताओं ने हिस्सा लिया। डिडौली में हरचंदपुर विस क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक में राहुल गांधी ने भाजपा सरकार को वोट चोरी के मुद्दे पर घेरा और बूथ अध्यक्षों में उत्साह भरा। सांसद को अपने बीच पाकर राहुल गांधी जिंदाबाद के नारों से वातावरण गूंज उठा।

बेरीनाग में गुलदार दिखने से लोगों में दहशत

पिथौरागढ़। नगर में रात के समय गुलदार दिखने से स्थानीय लोगों में दहशत है। बुधवार को स्थानीय योगेश डांगी ने बताया कि बीते रात नगर के पीडब्ल्यूडी के समीप बने आवासीय मकानों में दो गुलदार चहलकदमी करते हुए दिखे। जिसके बाद स्थानीय लोगों में भय का माहौल है। पहले भी इस क्षेत्र में उन्हें गुलदार चहलकदमी करते हुए दिखे है। जिससे रात के समय लोगों का अकेले बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से क्षेत्र में पिंजरा लगाने की मांग की है। वन क्षेत्राधिकारी चंदा मेहरा ने बताया की वन विभाग के कर्मचारी क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर लोगों को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है।

सबको 22 सितंबर का इंतजार

बाईक,कार ही नहीं गारमेंट–फुटवियर से एसी–टीवी तक हो जाएंगे सस्ते

नई दिल्ली। जीएसटी दरों में बदलाव की घोषणा के बाद बाइक और कार ही नहीं, बल्कि कपड़ों, जूतों, एसी, टीवी और कई अन्य इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं की खरीदारी भी प्रभावित हुई है। खुदरा दुकानदारों का कहना है कि अब उन्हें 22 सितंबर का इंतजार है। तीन सितंबर को जीएसटी स्लैब में बदलाव कर दरों में कटौती का फैसला हुआ और चार सितंबर से बिक्री प्रभावित हो रही है। 400 से अधिक उत्पादों की दरों में बदलाव किया गया है। इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बेचने वाले स्टोर संचालकों ने बताया कि मोबाइल फोन की बिक्री पहले की तरह जारी है, क्योंकि उन पर जीएसटी दरों में बदलाव नहीं किया गया है। लेकिन 32 इंच से बड़े साइज वाले एसी, टेलीविजन जैसे उत्पादों की बिक्री में भारी कमी आई है। 22 सितंबर के बाद इन वस्तुओं की खरीदारी पर ग्राहकों को कम से कम 3000 रुपये का फायदा होगा। ऐसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर जीएसटी की दरें 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दी गई हैं। अब 2,500 रुपये से कम कीमत वाले सभी प्रकार के कपड़ों पर सिर्फ पांच प्रतिशत जीएसटी लगेगा। 21 सितंबर तक 1000 रुपये से कम कीमत वाले कपड़ों और जूतों पर 5% और उससे ज़्यादा कीमत वाले पर 12% जीएसटी लगेगा। जूतों पर भी इसी तरह जीएसटी लगेगा। दुकानदारों ने बताया कि 2,500 रुपये तक के कपड़ों की बिक्री में 60% से अधिक हिस्सेदारी है। ऐसे में 22 सितंबर से पहले खरीदारी करने पर ग्राहकों को नुकसान क्यों होगा? हालांकि, वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा 6 सितंबर से अपने ग्राहकों को नई जीएसटी दर का लाभ दे रही है। दुकानदारों का कहना है कि कपड़ों और जूतों में ऐसा संभव नहीं है।

सम्पादकीय

नेपाल आंदोलन, राज नेताओं को सबक

विश्व के कुछ खूबसूरत देश में गिने जाने वाला नेपाल इन दोनों राजनीतिक अस्थिरता एवं गृह युद्ध जैसे हालातों से जूझ रहा है। नेपाल के युवाओं ने सरकार की हिटलरशाही, अय्याशी और भ्रष्टाचार के विरोध में ऐसा जन आंदोलन छेड़ा जिसने पूरे विश्व को सोचने पर विवश कर दिया की जनता को अधिक समय तक अंधेरे में रखा नहीं जा सकता और जब आमजन का धैर्य जवाब दे जाता है तो सेना, पुलिस और दूसरी सभी व्यवस्थाएं धरी की धरी रह जाती है। नेपाल को हिंदू राष्ट्र के रूप में भी जाना जाता है और आमतौर पर यहां के गोरखाली लोग प्रेम भाव एवं शांत प्रवृत्ति के माने जाते हैं, लेकिन कहते हैं कि अधिक समय तक किसी को छेड़ो तो प्रतिकार निश्चित हो जाता है। नेपाल में अब पूरा राजनीतिक दृश्य ही बदल चुका है और इस जन आंदोलन ने वर्तमान सरकार को जड़ से उखाड़ कर फेंक दिया है। नेपाल में नई सरकार के गठन की तैयारी की जा रही है लेकिन इस आंदोलन में नेपाल को जो हानि उठानी पड़ी है उसकी भरपाई करने के लिए इस छोटे से देश को दशकों तक प्रयास करने होंगे। क्रोधित भीड़ ने राष्ट्रपति भवन से लेकर नेताओं के मकान और प्रतिष्ठान तक जला डाले। नेपाल के लोगों का यह विरोध असल में एक ही रात में पूजा हुआ आंदोलन नहीं है बल्कि एक लंबे समय से नेपाल में जो सरकार काम कर रही थी वह देश हित से अधिक अपने निजी स्वार्थी पूर्ति में लिप्त नजर आने लगी थी। राजनेताओं एवं उनके परिवार के ऐशो आराम एवं विदेशों में अय्याशी का क्रम मानो थमने का नाम ही नहीं ले रहा था। इधर नेपाल में महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी का आलम बढ़ता जा रहा था जिसके विरोध में उठाई गई आवाज को सरकार ने सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाकर दबाने का प्रयास किया, लेकिन सरकार का यही कदम उसके लिए महंगा पड़ गया और एक बार जो चिंगारी भड़की तो उसने भयानक दावानल का रूप ले लिया। नेपाल के इन हालातों ने स्पष्ट कर दिया है कि जनता अगर एक बार सड़क पर उतर गई तो उसके परिणाम किस हद तक जा सकते हैं? नेपाल के इस घटनाक्रम ने विश्व के उन सभी देशों के रोंगटे खड़े कर दिए हैं जो अपने मनमानी तरीके से हिटलर शाही पद्धति से सरकार चला रहे हैं और जनता की आवाज को बलपूर्वक दबाने की कोशिश कर रहे हैं। निश्चित तौर पर नेपाल के इस आंदोलन का असर उसके पड़ोसी देश में भी पड़ने के आसार हैं। खासतौर से एशियाई देश बांग्लादेश, श्रीलंका और पाकिस्तान के नागरिक भी अपनी सरकारों से कोई अधिक संतुष्ट नहीं है। इसके विपरीत नेपाल के हालातों से भारत को सुरक्षा की दृष्टि से बेहद सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि नेपाल में पहले आंदोलन के कारण वहां की 18 जिलों से लगभग 6000 से अधिक कैदी फरार हो चुके हैं। हालात ऐसे बन सकते हैं कि देश की व्यवस्था पटरी पर आने से पूर्व इनमें से अधिकांश कैदी सीमा पार से भारत में प्रवेश करने का प्रयास कर सकते हैं। हालांकि भारत सरकार पूरी तरह से सतर्क है लेकिन जिस प्रकार से भारत और नेपाल के संबंध पासपोर्ट और वीजा से संबंधित नहीं है उसके बाद यह स्थिति काफी गंभीर हो जाती है। उत्तराखंड भी इस दृष्टि से संवेदनशील माना जा सकता है और यही कारण है कि राज्य सरकार ने चंपावत से लगी नेपाल की सीमा में चौकसी कड़ी कर दी है। बरहाल आने वाले दिनों में उम्मीद की जा रही है कि नेपाल के हालात सुधरेंगे लेकिन देखना यह भी होगा की नेपाल से सुलगी यह चिंगारी एशिया के और कितने देशों को अपनी चपेट में लेती है?

असली समस्या वहीं की वहीं खड़ी

मोदी और शी जिनपिंग ने कहा कि भारत और चीन 'साझेदार हैं, दुश्मन नहीं।इ इससे दोस्ती का माहौल बना, लेकिन असली समस्या वहीं की वहीं खड़ी दिखती है। चीन लगातार पाकिस्तान का समर्थन करता है। पाकिस्तान में अरबों डॉलर लगाता है, सैन्य और परमाणु मदद देता है और उसकी ढाल बनता है। इससे भारत के लिए दो तरफ से सुरक्षा का खतरा हमेशा बना रहता है, जिसे कोई भी मुलाकात नहीं बदल सकती।चीन की बेल्ट एंड रोड योजना भी भारत के लिए चिंता का कारण है। श्रीलंका, मालदीव, नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार तक चीन अपने प्रोजेक्ट्स फैला रहा है। ये सिर्फ विकास के काम नहीं हैं, बल्कि एक तरह का घेरा हैं, जिससे भारत का प्रभाव अपने ही पड़ोस में कम हो रहा है। आर्थिक स्थिति भी भारत के अनुकूल नहीं है। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 90 अरब डॉलर से ज्यादा हो चुका है। भारत चीन से बहुत ज्यादा सामान खरीदता है, लेकिन चीन भारत से बहुत कम खरीदता है। इससे भारत चीन पर निर्भर हो जाता है, लेकिन उसे उतना फायदा नहीं मिलता। उड़ानों या वीजा में ढील जैसी चीजें इस बड़े घाटे और अमेरिकी टैक्स से हुए नुकसान की भरपाई नहीं कर सकतीं।

उमाकांत लखेड़ा

प्रधानमंत्री मोदी की हालिया चीन यात्रा को दोस्ती की शुरुआत के तौर पर प्रचारित किया गया। लेकिन असली हालात इतने आसान नहीं हैं, जैसे बताए जा रहे हैं। भारत और चीन की नजदीकी असल में अस्थायी रु कावट जैसी है, न कि भरोसेमंद रिश्ते की नई शुरुआत।

कूटनीतिक जानकार इस नई दोस्ती पर फूंक-फूंक कर कदम बढ़ाने की सलाह दे रहे हैं क्योंकि चीन के साथ भारत के आयात-निर्यात में भारी असमानता है। इसलिए जल्दबाजी में जोखिम की अधिक आशंकाएं जताई जा रही हैं।

निःसंदेह प्रधानमंत्री की यात्रा से चीन के साथ रिश्तों की बर्फ पिघली है। दोनों देशों के बीच इस निकटता से कुछ क्षेत्रों में सहयोग के संकेत जरूर मिले। चीन ने कहा कि वह इलेक्ट्रॉनिक्स और गाड़ियों के क्षेत्र में भारत के साथ नये सिरे से काम करेगा। सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने, वीजा नियम आसान करने और कुछ निर्यात पाबंदियां हटाने का वादा किया। अमेरिका के भारी टैक्सों के दबाव में फंसे भारत के लिए ये कदम थोड़ी राहत लेकर आए।

मोदी और शी जिनपिंग ने कहा कि भारत और चीन 'साझेदार हैं, दुश्मन नहीं।इ इससे दोस्ती का माहौल बना, लेकिन असली समस्या वहीं की वहीं खड़ी दिखती है। चीन लगातार पाकिस्तान का समर्थन करता है। पाकिस्तान में अरबों डॉलर लगाता है, सैन्य और परमाणु मदद देता है और उसकी ढाल बनता है। इससे भारत के लिए दो तरफ से सुरक्षा का खतरा हमेशा बना रहता है, जिसे कोई भी मुलाकात नहीं बदल सकती।

चीन की बेल्ट एंड रोड योजना भी भारत के लिए चिंता का कारण है। श्रीलंका, मालदीव, नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार तक चीन अपने प्रोजेक्ट्स फैला रहा है। ये सिर्फ विकास के काम नहीं हैं, बल्कि एक तरह का घेरा हैं, जिससे भारत का प्रभाव अपने ही पड़ोस में कम हो रहा है। आर्थिक स्थिति भी भारत के अनुकूल नहीं है।

चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 90 अरब डॉलर से ज्यादा हो चुका है। भारत चीन से बहुत ज्यादा सामान खरीदता है, लेकिन चीन भारत से बहुत कम खरीदता है। इससे भारत चीन पर निर्भर हो जाता है, लेकिन उसे उतना फायदा नहीं मिलता। उड़ानों या वीजा में ढील जैसी चीजें इस बड़े घाटे और अमेरिकी टैक्स से हुए नुकसान की भरपाई नहीं कर सकतीं।

भारत-चीन-रूस धुरी की चर्चा ज्यादा नाटकीय कथा जैसी लगती है, इस नई जुगलबंदी में दूरगामी और व्यावहारिक कूटनीतिक संतुलन जैसी नहीं बात नहीं लगती। भारत और चीन एशिया में फिर से अपना प्रभाव बढ़ाने के मामले में अतीत से ही प्रतिद्वंद्वी हैं। जाहिर है इनकी बुनियादी दृष्टि परस्पर विरोधी है।

चीन वर्चस्व स्थापित करना चाहता है, पाकिस्तान को समर्थन देता है और भारत के पड़ोस में प्रभाव बनाना चाहता है। वहीं भारत इसका जवाब अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड जैसे बहुपक्षीय गठबंधनों से देता है। रूस, जो यूक्रेन युद्ध के बाद चीन पर और अधिक निर्भर हो गया है, इस धुरी में और भी असंतुलन पैदा करता है। ऐसी स्थिति में भारत के एक 'छोटे खिलाड़ीइ की तरह सिमट जाने का खतरा है। इस स्थिति को भारत कभी गवारा नहीं करता।

देश के भीतर कई विदेश मामलों के जानकार मानते हैं कि भारत ने यह जो नया रास्ता पकड़ा है, वह वास्तव में गुटनिरपेक्ष और मुद्दा-आधारित परंपरा से भटकाव है। यह विरोधाभास प्रधानमंत्री की हालिया चीन यात्रा में साफ दिखाई दिया। सात साल बाद मोदी की चीन यात्रा एक अहम पड़ाव रही। मोदी और शी ने सहमति जताई कि मतभेदों को विवादों में नहीं बदलने दिया जाएगा और आपसी भरोसा, सम्मान और संवेदनशीलता भविष्य के रिश्तों की नींव होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पर शांति को द्विपक्षीय रिश्तों की 'बीमा पॉलिसीइ बताया। दोनों पक्षों ने हालिया डिसइंगेजमेंट और स्थिर माहौल को सकारात्मक कदम के रूप में रेखांकित किया। रिश्तों में आई नरमी से जो ठोस कदम उठते दिखे उनमें शामिल रहेः लिपुलेख, शिपकी ला और नाथू ला दरे से सीमा व्यापार का पुनःआरंभ। दोनों नेताओं ने कहा कि उनकी अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक व्यापार में स्थिरता की भूमिका निभाती हैं।

व्यापार असंतुलन दूर करने के लिए रणनीतिक दृष्टि से सहयोग बढ़ाने का वादा किया गया। मोदी ने शी को 2026 में भारत में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया। अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा-पार आतंकवाद का मुद्दा उठाया और सहयोग की जरूरत पर जोर दिया। यह भी दोहराया कि भारत-चीन संबंधों को किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने रणनीतिक स्वायत्तता और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की वकालत की।

विपक्षी दलों की प्रतिक्रिया तीखी रही। जयराम रमेश ने मोदी पर 'ड्रैगन के आगे झुकनेइ और आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। अमेरिका में व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने मोदी की आलोचना करते हुए कहा 'वे दो सबसे बड़े अधिनायकवादी नेताओंइ के साथ निकटता बना रहे हैं।

कई विश्लेषकों ने एससीओ की सैन्य परेड में मोदी की उपस्थिति को कूटनीतिक सफलता नहीं, बल्कि छवि की समस्या माना-जैसे भारत पश्चिमी लोकतांत्रिक खेमे से दूर हो रहा हो। यात्रा में सद्भावना दिखी, लेकिन कोई ठोस बाध्यकारी समझौते नहीं हुए। मोदी, शी और पुतिन की साझा तस्वीरों को कई लोगों ने वास्तविक उपलब्धि की बजाय केवल संदेश देने वाला प्रतीकवाद माना।

एक ओर चीन से एससीओ और व्यापार के जरिए जुड़ना और दूसरी ओर अमेरिका-झुकाव वाले क्वाड और ब्रिक्स में सक्रिय रहना-आलोचकों को असंगत लगता है। चीन के साथ गहरी प्रतिद्वंद्विता भारत की इस रणनीति पर हमेशा सवाल उठाती है। इस चीन यात्रा का स्वागत करने वालों का मानना है कि मोदी की चीन यात्रा ने एक बार फिर दिखा दिया कि भारत अपने पड़ोसी के साथ संबंधों में शांति और स्थिरता चाहता है, खासकर सीमा और व्यापार के मोर्चे पर।

यात्रा से कुछ व्यावहारिक लाभ मिले लेकिन ठोस समझौतों की कमी और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय आलोचना ने कूटनीतिक सफलता को सीमित कर दिया। असली सवाल है कि क्या भारत इस बहुस्तरीय कूटनीति को ठोस रणनीति में बदल पाएगा या यह अमेरिकी टैरिफ दबाव से मुक्त होने की प्रतीकात्मक बयानबाजी और पैंतरेबाजी तक सिमट कर रह जाएगी!

महिलाओं के सशक्तिकरण के क्षेत्र में मिसाल बन रहा बिहार

डॉ. दर्शनी प्रिय

बिहार अपनी बदली आबोहवा में नये प्रयोगों के जरिए नई पहचान बना रहा है। पिछले पंद्रह वर्षों के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासन में महिलाओं को केंद्र में रखकर ऐसी अनेक योजनाएं बनी जिसने इस सूबे की स्त्री हितैषी तस्वीर खींची, चाहे स्कूली लड़कियों को साइकिल देने की बात हो या शराबबंदी या अब मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना। इन सबमें कहीं-न-कहीं राज्य की एक कल्याणकारी तस्वीर प्रतिबिंबित होती रही। इसने सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन के लिए बदनाम इस राज्य की तस्वीर बदल दी है।

आज स्थिति यह है कि यह महिलाओं के सशक्तिकरण के क्षेत्र में मिसाल बन रहा है। इसका श्रेय निश्चित रूप से सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दूरदर्शी नीतियों और उसके क्रियान्वयन को जाता है। साल 2005 से लेकर अब तक सरकार ने महिलाओं के प्रति किए अपने वादे के प्रति कटिबद्धता दिखाई है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और राजनीतिक भागीदारी के क्षेत्र में मजबूत बनाने के इनके एजेंडे को भले ही शुरुआती दौर में थोड़ी आलोचनाएं झेलनी पड़ी हो, लेकिन धीरे ही सही अब वादे फलित हो रही है। यदि गहराई से इसकी पड़ताल करें तो सरकार की मौजूदा योजनाएं न केवल महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता सुनिश्चित कर रही है, बल्कि सामाजिक न्याय और लिंग समानता को भी बढ़ावा देती दिखती है। आधी आबादी की सलाहियत और हित को ध्यान में रखते हुए 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजनाइ जैसी पहल इस दिशा में एक नया अध्याय जोड़ रही हैं।

महिलाओं की प्रगति और विकास के लिहाज से इन योजनाओं की सिरे से पड़ताल भी जरूरी है। खासतौर से शिक्षा के क्षेत्र में इन योजनाओं से क्रांतिकारी बदलाव लाया है। 'मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजनाइ को एक ज्वलंत उदाहरण के तौर पर लिया जा सकता है। इस योजना की शुरु आत साल 2006 में तब हुई, जब सूबे में लड़कियों की स्कूल ड्रॉपआउट दर बहुत अधिक थी। योजना के तहत, कक्षा 9 में प्रवेश करने वाली हर लड़की को मुफ्त साइकिल प्रदान की गई, ताकि वे दूर-दराज के स्कूलों तक आसानी से पहुंच सकें। इसका परिणाम यह हुआ कि लड़कियों की नामांकन दर में 30 फीसद से अधिक की वृद्धि हुई। आज, लाखों लड़कियां इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं।

इसी क्रम में, 'मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजनाइ 2018 में शुरू की गई, जो लड़कियों को जन्म से स्नातक स्तर तक वित्तीय सहायता प्रदान करती है। योजना के अंतर्गत, जन्म पर दो हजार रु पये कक्षा एक से बारह तक विभिन्न राशियां, और स्नातक पर पच्चीस हजार रुपये दिए जाते हैं। इस योजना से अब तक करोड़ों रुपये वितरित हो चुके हैं, जिससे लड़कियों की शिक्षा दर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। सरकार ने महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता पर भी विशेष ध्यान दिया है। 'जीविकाइ (बिहार ग्रामीण आजीविका परियोजना) इसे साल 2007 में विश्व बैंक की सहायता से शुरू किया गया था जो महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सशक्त बनाती है। इसका उद्देश्य गरीब ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय सहायता, कौशल विकास और बाजार पहुंच प्रदान करना है।

योजना के अंतर्गत, महिलाओं को बैंक से लिंक किया जाता है, जहां वे बचत खाते खोलती हैं और सूक्ष्म ऋण प्राप्त करती हैं। आज, सवा आठ लाख से अधिक एसएचजी समूह बने हैं, जो 88 लाख परिवारों को कवर करते हैं। इन समूहों ने महिलाओं को कृषि, पशुपालन, हस्तशिल्प और छोटे उद्योगों में संलग्न किया है। जीविका दीदियां अब बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट के रूप में काम करती हैं और 'दीदी की रसोईइ जैसी पहल से सरकारी संस्थानों में भोजन उपलब्ध कराती हैं। इस योजना का प्रभाव इतना गहरा है कि गुजरात और कर्नाटक जैसे राज्य इसे अपना रहे हैं।

जीविका ने महिलाओं की आय में पचास प्रतिशत तक वृद्धि की है और उन्हें निर्णय लेने की क्षमता प्रदान की है। अभी हाल ही में शुरू की गई 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजनाइ महिलाओं के लिए एक नई उम्मीद की किरण है। इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। योजना के तहत, हर परिवार से एक महिला को प्रारंभिक किस्त के रूप में दस हजार रुपये दिए जाते हैं, जिससे वे कोई छोटा व्यवसाय या रोजगार शुरू कर सकें। छह महीने बाद, सफल प्रदर्शन पर दो लाख तक की अतिरिक्त सहायता मिल सकती है। यह योजना विशेष रूप से ग्रामीण और शहरी महिलाओं को लक्षित करती है, जिनकी आय सीमा निर्धारित है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इससे महिलाओं का आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण होगा। इसी दिशा में और भी कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं जिसने महिलाओं को विकास के लिहाज से मजबूती प्रदान की है। साल 2006 में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए पचास प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया, जिससे ग्रामीण स्तर पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ी। इसी तरह, 2007 में नगर निकायों में भी पचास प्रतिशत आरक्षण दिया गया। साल 2016 में, सरकारी नौकरियों में पैंतीस प्रतिशत आरक्षण महिलाओं के लिए सुनिश्चित किया गया, जो पुलिस से लेकर प्रशासनिक पदों तक लागू है।

इसके अलावा, राज्य न्यायिक सेवाओं में पचास प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की गई, जिसमें अत्यंत पिछड़े वगरे के लिए अतिरिक्त कोटा है। इन नीतियों से महिलाओं की राजनीतिक और प्रशासनिक भूमिका मजबूत हुई है। 'महिला थानाइ योजना के तहत, हर जिले में महिलाओं के लिए विशेष पुलिस स्टेशन स्थापित किए गए हैं, जहां महिला पुलिसकर्मी तैनात हैं। पैंतीस प्रतिशत पुलिस भर्ती में महिलाओं का आरक्षण सुनिश्चित किया गया, और 'स्वाभिमान बटालियनइ जैसी इकाइयां गठित की गई। इन योजनाओं का समग्र प्रभाव बिहार की महिलाओं की स्थिति में सकारात्मक बदलाव लाया है। निश्चित ही महिलाओं के हित में उठाए गए क्रांतिकारी कदम इस बात की तस्दीक करते हैं कि मौजूदा राज्य सरकार महिलाओं के विकास को लेकर उदार रवैया अपना रही है।

दिविता जुनेजा की फिल्म हीर एक्सप्रेस का ट्रेलर रिलीज

फिल्म हीर एक्सप्रेस का ट्रेलर मेकर्स ने साझा किया है। ट्रेलर में एक तरफ रोमांटिक एंगल है, वहीं एक लड़की हीर के सपनों की कहानी है। ट्रेलर में हीर का लीड रोल निभाने वाली दिविता जुनेजा और एक्टर प्रीत कमानी के किरदार के बीच रोमांस दिखाया गया। लेकिन हीर एक्सप्रेस के ट्रेलर में सिर्फ रोमांस नहीं है, इसमें फैमिली और अपने ड्रीम्स को पूरा करने की कहानी भी है।

आगे ट्रेलर में आशुतोष राणा, गुलशन ग्रोवर भी नजर आए, ये उम्दा कलाकार नेगेटिव रोल में नहीं हैं, इस फिल्म में इन बेहतरीन कलाकारों के किरदार काफी हटकर नजर आने वाले हैं। हीर (दिविता जुनेजा) फिल्म में आशुतोष राणा के किरदार से किया वादा ही पूरा करना चाहती है। इस वादे को, सपने को पूरा करने की राह में उसे कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। यह फिल्म लंदन में शूट हुई है। लंदन की खूबसूरत झलक

फिल्म के ट्रेलर में भी नजर आती है। उमेश शुक्ला निर्देशित यह फिल्म 12 सितंबर 2025 को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में संजय मिश्रा भी नजर आएंगे। इस फिल्म में उनका कामिक अंदाज नजर आएगा।

अर्शदीप-बिश्नोई की गेंदबाजी रैंकिंग में सुधार, अभिषेक शर्मा टॉप पर

दुबईः भारतीय स्पिनर रवि बिश्नोई और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह बुधवार को जारी नवीनतम आइसीसी टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में क्रमशः छठे और 10वें स्थान पर पहुंच गए। वरुण चक्रवर्ती चौथे स्थान के साथ भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले गेंदबाज बने हुए हैं जबकि बिश्नोई, अर्शदीप और अक्षर पटेल एक-एक स्थान के फायदे के साथ क्रमशः छठे, 10वें और 13वें स्थान पर हैं।

तिलक वर्मा दूसरे नंबर पर

बल्लेबाजी रैंकिंग में अभिषेक शर्मा 829 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार हैं, जबकि तिलक वर्मा दूसरे और कप्तान सूर्यकुमार यादव छठे पायदान पर हैं। एशिया कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे यशस्वी जायसवाल एक स्थान के नुकसान से 11वें स्थान पर हैं। वह एशिया कप के लिए पांच रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल हैं।

संजू को हुआ फायदा

रुतुराज गायकवाड़ और संजू सैमसन दोनों एक-एक स्थान के फायदे से 26वें और 34वें स्थान पर हैं। ऑलराउंडर की सूची में हार्दिक पांड्या 252 रेटिंग अंक के साथ नंबर एक ऑलराउंडर बने हुए हैं। यूएई,

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच त्रिकोणीय सीरीज की समाप्ति के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग जारी की गई है। पाकिस्तान ने फाइनल में अफगानिस्तान को 75 रन से हराकर त्रिकोणीय सीरीज जीती।

शुभमन गिल टॉप पर

एकदिवसीय रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाजों में शुभमन गिल नंबर एक पर बरकरार हैं। कप्तान रोहित शर्मा (दूसरे), विराट कोहली (चौथे) और श्रेयस अय्यर (आठवें) की रैंकिंग में भी कोई बदलाव नहीं आया है। वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के कुलदीप यादव एक स्थान के नुकसान से चौथे जबकि रवींद्र जडेजा दो स्थान के नुकसान से 10वें स्थान पर हैं। मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज भी दो-दो स्थान के नुकसान से क्रमशः 14वें और 15वें स्थान पर हैं।

बाक्स आफिस पर द बंगाल फाइल्स की कमाई में मामूली बढ़त

विवेक अग्निहोत्री के निर्देशन में बनी फिल्म द बंगाल फाइल्स से निर्माताओं को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन यह बाक्स आफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर, दर्शन कुमार और सिमरत कौर मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म की शुरुआत बेहद ठंडी रही। हालांकि, वीकेंड पर फिल्म के कारोबार में मामूली इजाफा देखने को मिला। आइए जानें फिल्म द बंगाल फाइल्स ने तीसरे दिन कितने करोड़ रुपये कमाए हैं।बाक्स आफिस का ब्योरा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, द बंगाल फाइल्स ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन यानी पहले रविवार को 2.75 करोड़ रुपये कमाए, जिसके बाद इसका कुल बाक्स आफिस कलेक्शन 6.65 करोड़ रुपये हो गया है। द बंगाल फाइल्स ने 1.75 करोड़ रुपये के साथ बाक्स आफिस पर बेहद खराब शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन इसने 2.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म का अनुमानित बजट 50 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।द बंगाल फाइल्स भारतीय इतिहास और राजनीति की सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक फिक्शन ड्रामा फिल्म है। ये 1940 के दशक में पश्चिम बंगाल में हुई सांप्रदायिक हिंसा को दर्शाती है, जिसमें डायरेक्ट एक्शन डे और नोआखली के भयावह दंगों के दुखद परिणामों को पर्दे पर लाया गया है।

बाक्स आफिस पर बागी 4 की कमाई में आया उछाल

अभिनेता टाइगर श्राफ की फिल्म बागी 4 को 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था और समीक्षकों की तरफ से इसे हरी झंडी मिली, वहीं दर्शक भी फिल्म की कहानी और टाइगर के एक्शन की तारीफ कर रहे हैं। यह फिल्म पहले दिन से ही बाक्स आफिस पर धूम मचा रही है। अब बागी 4 की कमाई के तीसरे दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जिसमें इजाफा देखने को मिला है।

सैकनिल्क के मुताबिक, बागी 4 ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 10 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस फिल्म ने 12 करोड़ रुपये के साथ बाक्स आफिस पर अपना खाता खोला था, वहीं दूसरे दिन यह 9.25 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।

बांग्लादेश पर भारी पड़ती है हांगकांग

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 के तीसरे मुकाबले में गुरुवार को बांग्लादेश का सामना हांगकांग से होगा। ग्रुप बी की यह दोनों टीम अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में टकराएंगी। हांगकांग ने हार के साथ टूर्नामेंट का आगाज किया है।

पहले ही मैच में अफगानिस्तान ने हांगकांग टीम को 94 रन से रौंदा। ऐसे में अब टीम की नजर वापसी पर होगी। दूसरी ओर बांग्लादेश एशिया कप 2025 में अपना पहला मैच खेलने के लिए उतरेगी।

11 साल पहले हुई थी जंग

बांग्लादेश और हांगकांग के बीच आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच 11 साल पहले 2014 में खेला गया था। दोनों

टीमों के बीच हेड टू हेड की बात करें तो यह चौंकाने वाला है। हांगकांग टीम बांग्लादेश पर भारी पड़ती है। दरअसल, दोनों टीमों के बीच अब तक 1 ही टी20 इंटरनेशनल मैच खेला गया है। इसमें हांगकांग ने बाजी मारी है।

2 विकेट से जीता था मुकाबला

20 मार्च 2014 को बांग्लादेश की टक्कर हांगकांग से हुई थी। बांग्लादेश के होम ग्राउंड चटगांव में हुए इस मुकाबले को हांगकांग ने 2 गेंद शेष रहते 2 विकेट से जीत लिया था। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश ने 108 रन बनाए थे। 6 बैटर दहाई का आंकड़ा नहीं छू पाए थे। नदीम अहमद ने 4 और निजाकत खान ने 3 विकेट चटकाए थे। जवाब में हांगकांग ने आखिरी ओवर में इस लो स्कोरिंग मैच को जीत लिया था।

मुनीर डार ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए थे। इरफान अहमद ने 34 रन की पारी खेली थी। निजाकत खान और हसीब अमजद ने 12-12 रन की पारी खेली थी। शाकिब अल हसन को 3 सफलताएं मिली थीं। वहीं महमूदुल्लाह ने भी 2 विकेट अपने नाम किए थे।

संक्षिप्त समाचार

खिलाड़ियों की समस्याएं का निराकरण किया जाएं

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : युवा कांग्रेस व एनएसयूआई ने शहर में खिलाड़ियों को हो रही परेशानियों का जल्द निराकरण करने की मांग की है। उन्होंने मांगों को लेकर जिला क्रीडा अधिकारी को ज्ञापन दिया है।

युवा कांग्रेस व एनएसयूआई के पदाधिकारियों ने जिला क्रीड़ा अधिकारी को ज्ञापन दिया। इस दौरान युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव गौरव सागर, एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष राजेश भंडारी ने कहा कि शहर के खिलाड़ी कई समस्याओं से जूझ रहे है। जिससे उनको विभिन्न खेलों में अभ्यास करने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने क्रीडा अधिकारी से शहर में एकमात्र खेल मैदान कंडोलिया की स्थिति जल्द ठीक करने की मांग उठाई। उन्होंने रांसी खेल मैदान में स्थानीय खिलाड़ियों के लिए क्रीडा शुल्क निःशुल्क करने की मांग रखी। इस मौके पर अमन नेगी, रविंद्र नेगी, आस्कर रावत, दिवाकर, रितिक रावत आदि शामिल रहे।

निदेशक गणेश कुकशाल का किया स्वागत

श्रीनगर गढ़वाल : शैलनट श्रीनगर ने गढ़वाल विश्वविद्यालय लोक कला निष्पादन केंद्र में नवनियुक्त निदेशक गणेश कुकशाल गणी, उप निदेशक डॉ. संजय पाण्डेय और डॉ. महेंद्र पंवार का स्वागत किया। शैलनट श्रीनगर अध्यक्ष अभिषेक बहुगुणा और सचिव पंकज नैथानी ने तीनों की नियुक्ति को लोक संस्कृति के लिए सकारात्मक ऊर्जा व बेहतर भविष्य बताया। कहा कि गणेश कुकशाल गढ़वाली बोली भाषा और संस्कृति के पुरोधा, डॉ. संजय पाण्डेय कुमाऊंनी व गढ़वाली लोकगायन में एक प्रतिष्ठित नाम और डॉ. महेंद्र पंवार एन एसडी पास आउट के साथ रंगमंच के चर्चित हस्ताक्षर हैं। इस मौके पर कवि नीरज नैथानी, महेश गिरि, जयकृष्ण पैन्यूली, अंकित उछोली आदि उपस्थित रहे। (एजेंसी)

प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (यूईटी) 2025-26 का परिणाम घोषित कर दिया है। यह परिणाम बीए एलएलबी एवं एलएलबी पाठ्यक्रम के लिए जारी किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने जानकारी देते हुए बताया कि 07 सितम्बर को आयोजित परीक्षा का परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। अभ्यर्थी अपने प्रवेश परीक्षा अनुक्रमांक एवं जन्म तिथि दर्ज कर परिणाम देख सकते हैं। परीक्षा समन्यवक डॉ. प्रीतम सिंह ने बताया कि बीए एलएलबी एवं एलएलबी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु सफल अभ्यर्थियों को समर्थ पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण कर विश्वविद्यालय परिसर या संबद्ध महाविद्यालयों का चयन करना होगा। पंजीकरण की तिथि एवं विस्तृत दिशा-निर्देश अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा शीघ्र जारी किए जाएंगे। (एजेंसी)

तहसील दिवस 16 सितम्बर को

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : गैरसैंण तहसील के विकासखण्ड सभागार में 16 सितम्बर को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। प्रभारी अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि 16 सितम्बर,2025 (मंगलवार) को प्रातः 11 बजे से अपराह्न 2 बजे तक विकासखण्ड सभागार गैरसैंण में तहसील दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। शिविर में सभी विभागीय अधिकारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

गड्ढे तोड़ रहे कमर, नींद में सिस्टम

बरसात के मौसम में चुनौती बन रहे सड़क के गड्ढे

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में शायद ही कोई ऐसी सड़क हो जहां गड्ढे न दिखाई दें। कई स्थानों पर तो सड़क गड्ढों के बीच पूरी तरह खो चुकी है। नतीजा, वर्षाकाल में लबालब पानी व कीचड़ से भरे यह गड्ढे वाहन चालकों की कमर तोड़ रहे हैं। ऐसे में कब बड़ी दुर्घटना हो जाए, कहा नहीं जा सकता। क्षेत्रीय जन कई बार गड्ढों के मरम्मत की मांग भी उठा चुके हैं। लेकिन, वर्तमान स्थिति को देखकर लगता है मानो सिस्टम को जन समस्या से कोई मतलब ही नहीं रह गया है।

कोटद्वार के मानपुर से घराट को जाने वाले मार्ग में सड़क पर हुए गड्ढे

मुख्य मार्ग हो या फिर वार्डों की सड़कें सब बदहाली की कहानी बयां कर रही हैं। हल्की वर्षा होने पर गड्ढों के बीच सड़क खोजना भी मुश्किल हो जाता है। सबसे बुरी स्थिति देवी रोड, मानपुर-घराट, घराट-पदमपुर तिराहा, मालगोदाम-काशीरामपुर तल्ला, गाड़ीघाट तिराहे से लालपानी क्षेत्र को जाने वाली सड़कों की है। मानपुर से घराट रोड पर तो गड्ढों में स्कूटी व अन्य दोपहिया वाहनों के टायर तक फंस रहे हैं। दो दिन पूर्व इसी स्थान पर एक स्कूटी अनियंत्रित हो गई थी। जिसमें स्कूटी सवार युवती घायल हो गई थी। आए दिन गड्ढों में इस तरह की घटनाएं देखने को मिल रही हैं। सबसे अधिक दुर्घटनाएं रात के समय हो रही हैं। दरअसल, रात के अंधेरे में यह गड्ढे दिखाई नहीं देते। जिससे दुर्घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है।

हिमालय बचाने को एकजुटता जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्रखंड रिखणीखाल के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की तरफ से हिमालय दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधता और जलवायु परिवर्तनों के प्रभाव को लेकर चर्चा की गई। कहा कि वर्तमान में हिमालय को कई प्रकार के संकटों से गुजरना पड़ रहा है, जिसका संरक्षण किया जाना जरूरी है। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मनोज उप्रेती ने किया। कार्यक्रम अधिकारी डा. भारती ने कहा कि हिमालय दिवस मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य हिमालय को बचाया जाना है। कहा कि वर्तमान में अंटार्किटिका व आर्कटिक के बाद हिमालय दुनियाभर में तीसरा बड़ा हिम संचय क्षेत्र है। कहा कि वर्तमान में बिगड़ते पारिस्थितिक तंत्र के कारण ही पर्वतीय क्षेत्रों में भयंकर आपदाएं आ रही है। कहा कि उत्तरकाशी के धराली, चमोली में आपदा की घटनाएं इसी का परिणाम है। कहा कि जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक अपशिष्ट, ग्लेशियर झीलों का खतरा, वर्षा व बर्फबारी में बदलाव, समुद्रतल की ऊंचाई बढ़ने से हिमालय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

पैठाणी राठ महाविद्यालय में एनसीसी यूनिट को मिली हरी झंडी

छात्र एनसीसी के लिए करें रजिस्ट्रेशन

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी : राठ महाविद्यालय, पैठाणी में एनसीसी निदेशालय ने यूनिट को हरी झंडी दे दी है। इसके तहत महाविद्यालय को 106 सीट की स्वीकृति मिली है। प्राचार्य डॉ. नेगी ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में भी एनसीसी विंग की स्थान होनी चाहिए। अभी स्नातक में प्रवेश के लिए समर्थ पोर्टल पर गुरुवार तक रजिस्ट्रेशन हो रहे हैं, इसी तिथि तक एसीसी लेने वाले छात्र अपना रजिस्ट्रेशन एनसीसी के लिए कर सकते है।कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जितेंद्र कुमार नेगी ने बताया कि पिछले 6 सालों से एनसीसी यूनिट स्थापित करने के लिए प्रयास किए जा रहे थे। कहा कि एनसीसी यूनिट मिलने से यहां पढ़ने वाले छात्रों को इसका लाभ आसानी से मिल सकेगा। एनसीसी यूनिट को हरी झंडी मिलते ही कॉलेज ने इसी सत्र से एनसीसी के लिए भी छात्रों से आवेदन मांगे है। बताया कि पूरे राठ क्षेत्र के छात्रों को एनसीसी का लाभ पिछले लंबे समय से नहीं मिल पा रहा था। एनसीसी सर्टिफिकेट हासिल करने में अब छात्रों को किसी तरह की परेशानी नहीं होगी कई प्रतियोगी परीक्षाओं में एनसीसी प्रमाण पत्र का लाभ मिलता है, लेकिन यूनिट नहीं हो पाने की वजह से यहां के छात्र इससे वंचित हो जाते थे। साथ ही सरकारी सेवाओं में भी इस प्रमाण पत्र का वेटेज दिया जाता है तो एडमिशन में भी वेटेज मिलता है। आर्मी, एयरफोर्स, नेवी व सभी पैरामिलिट्री फोर्स के लिए एनसीसी का सी सर्टिफिकेट हासिल करने वाले छात्र को छूट भी मिलती है।

अदालत ने पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सहित चार युवाओं को मारपीट का दोषी पाया

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पौड़ी की अदालत ने बीजीआर पौड़ी परिसर के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सहित चार युवाओं को मारपीट को दोषी पाया है। सहायक अभियोजन अधिकारी वर्षा ने बताया कि मारपीट के दोषियों को 15 सितंबर को जिला प्रोबेशन अधिकारी पौड़ी कार्यालय में 30 हजार का बंध पत्र जमा करना होगा। बताया कि अदालत ने चारों को साक्ष्यों के अभाव में गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी व संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धाराओं में आरोपमुक्त किया है।बीते 20 मई 2023 को कोतवाली पौड़ी में एसएफआई कार्यकर्ता नितिन मलेठा ने एक तहरीर दी थी। तहरीर में उन्होंने कहा था कि पौड़ी के नगर पालिका बरातघर में 19, 20 व 21 मई 2023 को एसएफआई (स्टूडेंट फेडरेशन आफ इंडिया) का राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। जहां बीते 20 मई की शाम 7 बजे एबीवीपी के कार्यकर्ता पहुंच गए। यहां उन्होंने एसएफआई कार्यकर्ताओं से गाली-गलौज, मारपीट, तोड़फोड़ की। साथ ही एक कार्यकर्ता का गला घोंटने का प्रयास किया गया। सम्मेलन के अतिथि के प्राइवेट पार्ट को चोट पहुंचाई गई। छात्रों को मारने की धमकी भी इनके द्वारा दी गई। उन्होंने घटना में शामिल रहे पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष, उनके भाई सहित चार युवाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने प्रकरण में आरोपियों के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, जान से मारने की धमकी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु की थी। पुलिस ने जांच के बाद 22 अप्रैल 2024 को अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। सहायक अभियोजन अधिकारी वर्षा ने बताया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पौड़ी प्रतीक मथेला की अदालत ने गढ़वाल विवि के बीजीआर परिसर पौड़ी के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष ऋत्विक असवाल, उनके भाई मंजीत असवाल निवासी अपर चोपड़ा पौड़ी, मनोज रावत निवासी बैंज्वाड़ी गांव व अंकित रावत निवासी न्यू पूल्ड हाउस पौड़ी को मारपीट का दोषी पाया है।

अनुज पोखरियाल रहा अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : एकेश्वर ब्लॉक के अंतर्गत इंटर कॉलेज श्रीकोटखाल में आयोजित खंडस्तरीय विज्ञान गोष्ठी में अनुज पोखरियाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। क्वांटम युग का आरंभ, संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रधानाचार्य संजय रावत ने किया।

प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के 30 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विज्ञान प्रतियोगिता में इंटर कालेज कमलपुर के छात्र अनुज पोखरियाल प्रथम, वैशाली रावत द्वितीय व पब्लिक इंटर कालेज सुरखेत की कनिष्का कैंथोला तृतीय स्थान पर रही। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। इस मौके पर मंदीप सिंह, विनोद मलासी, राकेश पोखरियाल, विवेक रावत, कैलाश भारद्वाज, संदीप रावत, गजेंद्र सिंह, संजय काला, सत्यवीर सिंह, दीपक आर्य मौजूद रहे।

कण्वाश्रम में मिली मूर्तियों व अन्य वस्तुओं का होगा अध्ययन

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने किया कण्वाश्रम का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बुधवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम ने कण्वाश्रम क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने कण्वाश्रम में मिली मूर्ति व अन्य वस्तुओं की जांच की। कहा कि उक्त वस्तुओं से ही कण्वाश्रम का इतिहास सामने आएगा।

टीम ने कण्वाश्रम क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए वहां से प्राप्त पत्थर की मूर्तियों के बारे में जानकारी जुटाई। टीम में शामिल डा. एमसी जोशी ने बताया कि कण्वाश्रम में प्राप्त यह मूर्तियां दसवीं ई. की हो सकती है।

जो किसी मंदिर या आश्रम के द्वार पर लगी रहा होगी। बताया कुछ ऐसे क्षेत्र से भी यह मूर्तियां प्राप्त हुई है जहां पूर्व में कभी भारी मात्रा में पानी बहता रहा हो। ऐसे में यह भी इंकार नहीं किया जा सकता कि पत्थर की मूर्तियां बहकर इधर-उधर बिखर गई हो। बताया कि निरीक्षण के दौरान जो भी चीज मिली है उसका गहनता से अवलोकन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कण्वाश्रम का अधिकांश क्षेत्र वन क्षेत्र से लगा हुआ है। ऐसे में यहां खुदाई या सर्वे करने से पूर्व वन विभाग की अनुमति लेना अनिवार्य है। बताया कि इस संबंध में पूर्व में भी एएसआई ने वन विभाग को पत्र भेजा था। लेकिन, उनकी अनुमति नहीं मिल पाई थी। कहा कि दोबारा से वन विभाग को अनुमति के लिए पत्र भेजा जाएगा।

कोटद्वार के कण्वाश्रम में प्राप्त मूर्तियों का अवलोकन करती एएसआई की टीम

आशा कार्यकत्रियों ने उठाई वेतन बढ़ाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आशा स्वास्थ्य कार्यकत्रियों ने प्रदेश सरकार से प्रोत्साहन आधारित वेतन संरचना के आधार पर उन्हें छब्बीस हजार रूपए प्रतिमाह के हिसाब से न्यूनतम मजदूरी देने की मांग की है। कहा कि लगातार बढ़ रही महंगाई में परिवार की आर्थिकी चलाना चुनौती बन रही है। ऐसे में सरकार को उनकी समस्या को गंभीरता से लेना चाहिए।

संगठन की जिलाध्यक्ष प्रभा चौधरी के नेतृत्व में आशा स्वास्थ्य कार्यकत्रियों ने उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी के माध्यम से जिलाधिकारी को नौ सूत्रीय मांग पत्र भेजा। मांग पत्र में कहा गया कि मार्च 2025 से 15 सौ रूपए प्रतिमाह की निश्चित प्रोत्साहन राशि सहित प्रोत्साहन वृद्धि का सरकारी आदेश अभी तक जारी नहीं हुआ है। इसके अलावा आशा कार्यकत्रियों व सहायकों को पारिश्रमिक सुनिश्चित कर 26 हजार की न्यूनतम मजदूरी दी जाए। आशा कार्यकर्ताओं व सहायकों को ग्रेड-3 के सरकारी कर्मचारियों के रूप में नियमित किया जाए। एचएचएमक के बजट में बढ़ोत्तरी कर इसे एक स्थाई स्वास्थ्य कार्यक्रम बनाया जाए। आशा कार्यकर्ताओं व सहायकों के लिए 6 महीने का सवेतन मातृत्व अवकाश, 20 दिन का आकस्मिक व चिकित्सा अवकाश निश्चित किया जाए। आशा कार्यकत्रियों को स्कूटर यात्रा व्यय जैसे पर्याप्त बुनियादी सुविधा उपलब्ध करवाना। अच्छे गुणवत्ता वाले मोबइल फोन, टेबलेट, डेटा पैक, नेटवर्क की समुचित व्यवसथा सुनिश्चित की जाए। इस मौके पर मीरा नेगी, नीलम कुकरेती, भागीरथी भंडारी, कल्पना काला, विमला जोशी, रीता, ज्योति रावत, गोदांबरी देवी आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में एसडीएम सोहन सिंह सैनी को ज्ञापन सौंपती आशा कार्यकत्रियां

भालू की दहशत नहीं हो रही कम

पौड़ी : गढ़वाल वन प्रभाग की पैठाणी रेंज के कई गांवों में सक्रिय भालू को लेकर दहशत बनी हुई है। विभाग की चार टीमें भालू को पकड़ने के लिए बीते चार दिनों से डेरा डाले हुए है, लेकिन अभी तक भालू के आतंक से निजात नहीं मिल पाई है। पैठाणी के कुचौली, कुंडिल, कठ्यूड़, रीखौली व सौंठ गांवों में भालू बीते करीब एक महीने से सक्रिय है। अब तक भालू ने यहां ग्रामीणों की गौशालाओं के दरवाजे तोड़कर एक दर्जन से अधिक पालतू पशुओं को मार दिया है। वन विभाग की जहां 17 सदस्यीय विशेषज्ञों की 4 टीमें गठित कर यहां भालू को पकड़ने में लगी हुई है। वहीं दूसरी तरफ एक के बाद एक हमलों के बाद मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक ने भालू को मारने के आदेश भी बीते दिनों ही जारी कर दिए थे। वन विभाग ने भालू को पकड़ने व ट्रैक्यूलाइज करने के लिए 2 डॉक्टर, 2 ट्रैकुलाइज स्नाइपर भी टीम में शामिल किए है। डीएफओ सिविल पवन नेगी ने बताया कि भालू की गतिविधियों को ट्रैप करने के लिए यहां कैमरे भी लगाएं गए है, लेकिन भालू इनमें भी कैद नहीं हुआ है। यहां एक पिंजरा भी लगाया गया है, लेकिन वह पिंजरे की तरफ भी नहीं आया है। भालू की गतिविधियों को देखने के लिए विभागीय टीम ने यहां 24 घंटे डेरा डाला हुआ है। अभी तक भालू दिखाई नहीं दिया है।

प्राधिकरण का जीओ निरस्त की मांग को लेकर तहसील में किया प्रदर्शन

श्रीनगर गढ़वाल : मलेथा क्षेत्र में लागू प्राधिकरण के फ्रीज जोन के जीओ को निरस्त करने की मांग को लेकर बुधवार को देवप्रयाग जन अधिकार मोर्चा ने कीर्तिनगर तहसील पहुंचकर प्रदर्शन किया। मलेथा के ग्रामीणों ने देवप्रयाग जन अधिकार मोर्चा के संस्थापक गणेश भट्ट के नेतृत्व में तहसील पहुंचकर उपजिलाधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी टिहरी को ज्ञापन प्रेषित किया। गणेश भट्ट ने कहा कि रेलवे परियोजना शुरू होने से पूर्व स्थानीय ग्रामीणों को किसी भी जिला प्राधिकरण के कानून और धारा 07 के लागू होने के विषय में नहीं बताया गया था। जब आज ग्रामीण अपने मकान दुकान आदि के निर्माण कार्य कर रहे हैं तो उन्हें टिहरी जिला विकास प्राधिकरण द्वारा काम रुकवा कर नोटिस भेजे जा रहे हैं। कहा कि ना तो वर्तमान में सुरंग में हुए विस्फोटों से हुए नुकसान के सापेक्ष मुआवजा दिया जा रहा है और न ही प्राधिकरण द्वारा मलेथा में रेलवे स्टेशन के 400 मीटर दायरे में नए निर्माण कार्यों नहीं होने दिए जा रहे हैं। भट्ट ने कहा कि क्षेत्रीय विधायक विनोद कंडारी को वर्ष 2024 में ही इस प्राधिकरण के लागू होने की जानकारी थी, लेकिन उनके द्वारा भी मलेथा के ग्रामीणों को गुमराह किया गया और इस काले कानून को लागू होने दिया गया, जिससे यह प्रतीत होता है कि भविष्य में रेलवे स्टेशन के पास स्थित भूमि पर बड़े बड़े उद्योगपतियों को सरकार कब्जा देना चाहती है। वार्ता में ग्रामीणों ने कहा कि यदि भेजे गए नोटिस वापस ना लिए गये और शीघ्र ही मलेथा को फ्रीज जोन करने वाले जीओ को निरस्त ना किया गया तो शीघ्र ही क्षेत्रीय विधायक और राज्य सरकार के विरुद्ध बड़ा आन्दोलन शुरू किया जाएगा।

एलयूसीसी पीड़ितों ने मुक्तिधाम में शुरु किया अनशन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पिछले कई दिनों से तहसील में धरना दे रहे द लोनी अरबन मल्टी स्टेट एंड थ्रिप्ट को-आपरेटिव सोसाइटी (एलयूसीसी) पीड़ितों ने अब गाड़ीघाट स्थित मुक्ति धाम में अपना अनशन शुरु कर दिया है। कहा कि लगातार आंदोलन के बाद भी उनकी अनदेखी की जा रही है। ऐसे में अब उन्होंने धरने के लिए मुक्तिधाम की भूमि को चिह्नित किया है। बुधवार को मुक्तिधाम में बैठे पीड़ितों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। कहा कि शासन-प्रशासन उनकी मांगों को अनसुना कर रहा है। अभी तक सीबीआई की जांच शुरू तक नहीं हो पाई है। कहा कि निवेशक अब एजेंटों से अपनी जमा धनराशि को वापस मांग रहे है, जिससे उन्हें मानिसक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। कहा कि शासन-प्रशासन को कंपनी के फरार संचालकों को तत्काल गिरफ्तार करना चाहिए, साथ ही उनकी डूबी रकम को वापस दिलाना चाहिए। कहा कि जब तक उनकी मांगों पर विचार नहीं किया जाएगा तब तक वे मुक्तिधाम में क्रमिक अनशन पर बैठे रहेंगें। इस मौके पर प्रेम सिंह नेगी, राजेंद्र नेगी, लक्ष्मण बिष्ट, वीरेंद्र रावत, संदीप सिंह, पूजा, आरती, अनीता, रीता, दीपा नेगी, नीलम, शोभा कुकरेती, रजनी रावत, रेखा देवी, ममता रावत, अंजू डोबरियाल, बबीता रावत, हंस लता, अर्चना, विजेंद्र रावत, सुरेश नेगी मौजूद रहे।

मुक्तिधाम में धरना देते पीड़ित

औषधि दुकानों का किया औचक निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी नाजिश कलीम की अगुवाई में सुरक्षित दवा सुरक्षित जीवन व जेनेरिक ड्रग्स-इफेक्टिव, इकोनॉमिकल एंड एसेंशियल अभियान के तहत पौड़ी बाजार की औषधि दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। समिति ने दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को केवल सुरक्षित और मानक दवाएं ही उपलब्ध कराई जाए। यदि ऐसा नहीं होता है तो कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

इस दौरान दवाओं की गुणवत्ता, जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता और एक्सपायरी व प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री को देखा गया। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी विनय कुमार त्यागी, औषधि निरीक्षक सीमा बिष्ट चौहान, खाद्य सुरक्षा अधिकारी रचना लाल, जिला पूर्ति निरीक्षक शैलेंद्र बड़ोला और सब-इंस्पेक्टर नवीन पुरोहित सहित समिति के अन्य सदस्य भी निरीक्षण में शामिल रहे।

सभी विभाग सितम्बर तक 50 प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करें : सीडीओ

मुख्य विकास अधिकारी ने ली जिला योजना की समीक्षा बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत की अध्यक्षता में बुधवार को विकास भवन सभागार में जिला योजना की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की अब तक की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति पर चर्चा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागों को सितम्बर माह के अंत तक 50 प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के लिए ठोस प्रयास करने को कहा।

बुधवार को आयोजित समीक्षा बैठक में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी राम सलोने ने जिला योजना की प्रगति का प्रस्तुतीकरण करते हुए बताया कि अगस्त माह तक जिला योजना में अनुमोदित 11999.20 लाख के परिव्यय के सापेक्ष 8090.09 लाख की धनराशि अवमुक्त की गयी, जिसमें से 2910.21 लाख का व्यय कर 35.97 प्रतिशत की उपलब्धि दर्ज की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को प्रगति और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग, पेयजल निगम, जल संस्थान एवं सिंचाई विभाग जैसे वृहद् बजट वाले विभागों की प्रगति पर विशेष रूप से चर्चा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि इन विभागों की समयबद्ध प्रगति से ही जनपद की सामूहिक उपलब्धि में वृद्धि होगी। उन्होंने विभागों से निरंतर समीक्षा कर कार्यों की गति बनाए रखने पर बल दिया। पेयजल निगम ने 50.21 प्रतिशत तथा जल संस्थान ने 95.23 प्रतिशत की उपलब्धि अर्जित की है। वहीं, कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, पर्यटन, युवा कल्याण, सहकारिता एवं पंचायतीराज विभागों की प्रगति पर भी समीक्षा की गयी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में परियोजना निदेशक डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एस.के. शुक्ला, पीएम स्वजल दीपक रावत, जिला पंचायतीराज अधिकारी जितेन्द्र कुमार, जिला पर्यटन अधिकारी खुशाल सिंह नेगी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विशेषज्ञों ने स्वर विज्ञान पर साझा किए अनुभव

ऋषिकेश। हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट में बुधवार को वाणी विकारों के उपचार को देशभर के ईएनटी विशेषज्ञों ने मंथन किया। मिडटर्म फोनोकॉन–2025 सम्मेलन में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने वाणी विकारों से बचाव और उपचार की नई तकनीकियों की जानकारी दी।

सम्मेलन में देशभर से 250 चिकित्सकों सहित विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि और स्वामीराम हिमालयन विवि के अध्यक्ष डॉ. विजय धस्माना ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा में अनुसंधान और तकनीकी नवाचार का समावेश अत्यंत आवश्यक है, और ऐसे शैक्षणिक आयोजन इस दिशा में एक सशक्त कदम हैं।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा पे एंड यूज शौचालय के कार्य हेतु ई–बोलियाँ दिनांक 26.09.2025 को IREPS के माध्यम से नजीबाबाद स्टेशन पर **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2763/25

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभि0/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई–टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमंत्रित करते हैं।

सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये	अग्रिम धन रुपये	निविदा फॉर्म की लागत रु.	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	2	3	4	5	6
1	**SNT-COA-MB-2024-25** प्रोविजन फॉर लिंकिंग ऑफ डाटा लोगर विथ कण्ट्रोल ऑफिस एप्लीकेशन (COA) एट नाइन स्टेशन (YNRK, RKSH, KTW, GJL, BSC, CH, SPN, BLM & ROZA) मुरादाबाद डिवीज़न	9739437.49	194800.00	Nil	06.10.2025 15:00 hrs.

नोट:– निविदा के पूरा विवरण **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा सूचना– **SNT-COA-MB-2024-25** दि0 09.09.2025 2749/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चर्तुथ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक के सामने अंकित हैं। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट बैंकर चेक डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से सबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेंडर संख्या	157-DRM-MB-25-26 Date- 02.09.2025	161-DRM-MB-25-26 Date- 04.09.2025	163-DRM-MB-25-26 Date- 08.09.2025
कार्य का नाम	Heavy repair to staff quarter to improve toilet, bathroom and kitchen at MNDR, CPS, HLDR, BJO and BSKR station under ADEN/GJL	TFR, Distressing and other Miscellaneous Work in jurisdiction of Sr.DEN-IV/MB.	Pre and Post tamping track measurement survey using Gedo Vorsys trolly system in the jurisdiction of Sr.DEN/IV/MB.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	07.10.2025	07.10.2025	07.10.2025
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00	16:00
अनुमानित लागत	69,89,880.70	86,21,363.46	1,82,60,561.04
धरोहर राशि	1,39,800.00	1,72,400.00	2,41 300.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह	08 माह	08 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	23.09.2025	23.09.2025	23.09.2025

टेन्डर न. Sr.DEN-IV/Publication/25-26 दिनांक: 09.09.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2746/25

संक्षिप्त समाचार

तस्करी करते रंगे हाथों पकड़ा, केस दर्ज

हरिद्वार। जगजीतपुर क्षेत्र में मंगलवार देरात लोगों ने स्कूटी पर सवार एक युवक को पांच पेटी अवैध देसी शराब के साथ पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। राजा गार्डन गली नंबर एक में कांग्रेस पार्षद सुमित त्यागी और उनके साथियों ने मंगलवार की देरात एक युवक की गतिविधियों पर शक होने पर उसे रोका, तो स्कूटी की तलाशी में शराब से भरे टेट्रा पैक बरामद हुए। स्कूटी की आगे की सीट पर कम्बल से ढकी पेटियां और डिग्गी से भारी मात्रा में देसी शराब निकली, जिसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने हंगामा खड़ा कर दिया।

चोरी का खुलासा नहीं होने पर किया श्यामपुर चौकी का घेराव

ऋषिकेश। गुमानीवाला की आशीर्वाद कॉलोनी में चोरी की घटना के नौ दिन बाद भी मामला का खुलासा नहीं होने पर बुधवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। पीड़ित पूर्व सैनिक के साथ स्थानीय लोगों ने श्यामपुर चौकी का घेराव किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस की जांच–पड़ताल पर सवाल उठाया। अतिशीघ्र अज्ञात चोरों की धरपकड़ की मांग की। जल्द खुलासा नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी। बुधवार दोपहर श्यामपुर पुलिस चौकी में पूर्व सैनिक सतेंद्र सिंह तीन दर्जन से ज्यादा स्थानीय लोगों के साथ पहुंचे। उन्होंने चौकी का घेराव करते हुए बताया कि 28 अगस्त को उनके घर चोरी की घटना हुई थी, जिसमें चोर सोने–चांदी के गहने, एक लाख की नकदी और सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर तक साथ ले गए थे। इसकी शिकायत 31 अगस्त को पुलिस से की थी, लेकिन अभीतक इस मामले में पुलिस चोरों को पकड़ने नाकाम रही है। बताया कि क्षेत्र में चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। इस मामले का खुलासा नहीं होने से वह तो परेशान हैं ही, आसपास के लोग भी अब असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने चौकी में फिर चोरी की घटना की शिकायत दी। प्रभारी योगेश खुमारियाल ने बताया कि घटनास्थल और आसपास सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं। कुछ कैमरे हैं, तो वह खराब पड़े हैं। अन्य कैमरों की जांच में कोई संदिग्ध नजर नहीं आया है। बावजूद, पुलिस वारदात में संलिप्त अज्ञात की पहचान को भरसक प्रयास में जुटी है। बोले, शीघ्र ही इस घटना का खुलासा किया जाएगा। घेराव करने वालों में कृष्णा देवी, एमपी उनियाल, अतुल कुमई, रमेश पयाल, दिनेश गिरि, कुसुम लिंगवाल, शांति नेगी, प्रभा, लक्ष्मी पयाल आदि शामिल थे।

आपदा राहत के लिए ऋषिकेश से 18 ट्रक पहाड़ रवाना

ऋषिकेश। यूपी सरकार ने उत्तराखंड के आपदा पीड़ितों के लिए पांच करोड़ रुपये की राहत सामग्री दी है। बुधवार को इस सामग्री को 18 ट्रकों के माध्यम से आपदाग्रस्त चमोली, रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी जिले के विभिन्न इलाकों के लिए ढालवाला से रवाना किया गया। बुधवार को रेलवे रोड स्थित भाजपा कार्यालय में दर्जाधारी मंत्री विनय रोहिला ने प्रेसवार्ता की। बताया कि दैवीय आपदा से राज्य के विभिन्न जिलों में जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। राज्य सरकार आपदा प्रभावित की हर संभव मदद कर रही है। केंद्र सरकार से भी 500 करोड़ रुपये की मांग मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने की है। बताया कि सीएम ने नदी–नालों और सरकारी संपत्तियों पर अतिक्रमण को लेकर कड़ा रुख भी अपनाया है। जिस अधिकारी के कार्यकाल में कब्जा हुआ है, उसकी जवाबदेही भी तय करने का फैसला सरकार ले चुकी है। रोहिला ने बताया कि यूपी सरकार ने राहत के लिए खाद्यान्न और रोजमर्रा के कामकाज में इस्तेमाल होने वाला सामान भेजा है।

240 स्ट्रीट फूड वेंडर्स को प्रमाणपत्र बांटे

ऋषिकेश। उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड की ओर से आयोजित स्ट्रीट फूड वेंडर्स का बुधवार को आरपीएल प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें 240 स्ट्रीट फूड वेंडर्स को फूड सेफ्टी और हाइजीन के मानकों की जानकारियां और प्रशिक्षण दिया गया। सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। बुधवार को ट्रांजिट कैंप परिसर में 21 दिवसीय आरपीएल प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड की अपर सचिव पूनम चंद, मेयर शंभू पसवान ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 240 स्ट्रीट फूड वेंडर्स को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। पूनम चंद ने कहा कि प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, डिजिटल पेमेंट्स, बाहरी राज्य से आने वाले अतिथियों का स्वागत और मिलेट्स (अनाज) के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई।

छात्र गोविंद बल्लभ पंत को आर्दश बनाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें

जयंती पर गोविंद बल्लभ पंत को दी श्रद्धाजंलि

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 138वीं जयंती पौड़ी में बुधवार को धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर एडीएम अनिल गर्ब्याल ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत का जीवन हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत है। छात्रों को चाहिए कि वे उनके त्याग, समर्पण और ईमानदारी को अपने जीवन का आदर्श बनाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। पालिकाध्यक्ष हिमानी नेगी ने कहा कि गोविंद बल्लभ पंत के पदचिह्नों पर चलते हुए समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए।जीबी पंत इंजीनियरिंग कॉलेज घुड़दौड़ी में भी जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यहां एक चित्रकला प्रदर्शनी भी छात्र-छात्राओं ने लगाई। संस्कृतिक विभाग के तत्वावधान में भी कलेक्ट्रेट परिसर में जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। जीबी पंत इंजीनियरिंग कॉलेज घुड़दौड़ी में आयोजित कार्यक्रम में डीएम पौड़ी स्वाति एस. भदौरिया, सीडीओ गिरीश गुणवंत, नगर पालिका अध्यक्ष पौड़ी हिमानी नेगी सहित अन्य अफसरों व कर्मचारियों ने जनप्रतिनिधियों ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद डीएम ने कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा लगाई गई चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन किया। वहीं कलेक्ट्रेट प्रांगण में भी गणमान्य लोगों ने गोविंद बल्लभ पंत के चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित की। साथ ही उनके स्वतंत्रता संग्राम में योगदान पर विचार गोष्ठी में हिस्सा लिया। इस मौके पर बीजेपी जिलाध्यक्ष्ा कमल किशोर रावत, एसडीएम रेखा आर्य, प्रभारी पुरातत्व इकाई अनिरुद्ध सिंह बिष्ट, पूर्व सैनिक एसोसिएशन अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राणा आदि भी मौजूद रहे।

भाषण में नमन और प्राची रहे अव्वल

पंडित गोविंद बल्लभ पंत का स्वतंत्रता संग्राम में योगदानह्न विषय पर आयोजित हुई सीनियर वर्ग की भाषण प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कॉलेज निसणी के छात्र नमन रावत ने पहला, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज पौड़ी की छात्रा ऐश्वर्या नौटियाल ने दूसरा व राकउमावि. ल्वाली की छात्रा साक्षी ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं जूनियर वर्ग में ह्यपंडित गोविंद बल्लभ पंत का जीवन परिचयह्न विषय पर हुई निबंध प्रतियोगिता में राकइंकॉ पैडुल की छात्रा प्राची ने पहला, राकउमावि. ल्वाली की छात्रा अंकिता नेगी ने दूसरा तो डीएवी पौड़ी की छात्रा इल्मा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

दिव्यांगजनों को डीडीआरसी केंद्र तक आने जाने के लिए निःशुल्क वाहन सेवा शुरू

देहरादून। देहरादून के गांधी शताब्दी जिला चिकित्सालय में राज्य का प्रथम जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) शुरू होने के बाद अब दिव्यांग एवं वृद्धजनों के लिए प्रत्येक बुधवार को निःशुल्क वाहन सेवा भी शुरू हो गई है। जिलाधिकारी सविन बंसल के प्रयासों से समाज कल्याण विभाग के माध्यम से दिव्यांगजनों के लिए यह सेवा शुरू की गई है। बुधवार को सर्वे चौक पर मानसिक दिव्यांग अदिति गर्ग के हाथों हरी झंडी दिखाकर इस निःशुल्क वाहन सेवा का शुभारंभ किया गया। पहले दिन 11 दिव्यांगजनों ने इस निःशुल्क वाहन सेवा का लाभ लिया।

जिलाधिकारी ने कहा कि दिव्यांगजनों के जीवन को सरल बनाना, उन्हें सभी सुविधाएं मुहैया करना हम सबका दायित्व है। दिव्यांगजनों को एक प्लेटफार्म पर एकीकृत रूप में सारी सुविधाएं मिले, इस दिशा में दिव्यांगजनों के लिए डेडिकेटेड सेंटर जिला चिकित्सालय में खोला गया है। यहां पर दिव्यांगजनों को प्रमाण पत्र, यूडीआईडी कार्ड, आधार कार्ड, फिजियोथेरेपी, मनोवैज्ञानिक सलाह, इलाज और कृत्रिम उपकरण के साथ ही रोजगार प्रशिक्षण जैसी सभी सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई गई है। दिव्यांगजनों को अब केंद्र तक आने जाने के लिए स्पेशल डेडिकेटेड वाहन भी तैनात किया गया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल ने बताया कि जिला समाज कल्याण विभाग के माध्यम से प्रत्येक बुधवार को दिव्यांगजनों हेतु सर्वे चौक से गांधी शताब्दी जिला चिकित्सालय देहरादून तक आने जाने हेतु निःशुल्क वाहन सुविधा उपलब्ध रहेगी। इस सेवा का उद्देश्य दिव्यांगजनों को उनके दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने एवं संबंधित चिकित्सीय कार्यों के लिए अस्पताल तक पहुँचने में सहूलियत प्रदान करना है।

जयंती पर पं. गोविन्द बल्लभ पंत को दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : महान स्वाधीनता संग्राम सेनानी, देश के पूर्व गृहमंत्री व उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री, भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की 138वीं जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी संदीप तिवारी, नगर पालिका अध्यक्ष संदीप रावत सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों ने शहीद स्मारक पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यापर्ण करते हुए उनके साहित्यिक, सामाजिक एवं स्वतंत्रता आन्दोलन में दिए गए योगदान को याद किया गया।

जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने कहा कि बहुआयामी प्रतिभा के धनी भारत रत्न पं0 गोविंद बल्लभ पंत एक प्रखर चिन्तक एवं दूरदर्शी कुशल राजनेता थे। जिन्होंने एक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में अंग्रेजों से लोहा लिया और एक आदर्श राजनेता के तौर पर समाज कल्याण की दिशा में काम किया। वर्तमान में जरूरत है कि प्रत्येक नागरिक को उनके पदचिन्हों पर चलना चाहिए। देश को आगे बढ़ाने के लिए सभी को अपने नैतिक दायित्वों को निभाने के साथ ही एकता, अखण्डता व स्वतंत्रता को बनाये रखने में अहम भूमिका निभानी होगी। सबके द्वारा अपने दायित्वों एवं कर्तव्यों का पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निर्वहन करना ही पंत जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

विद्यार्थियों और शिक्षकों को दी महिला सुरक्षा और कानूनों की जानकारी

संकल्प अभियान कार्यक्रम में छात्र और शिक्षकों को किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के मिशन शक्ति वन स्टॉप सेंटर एवं डीएचईडब्ल्यू के कार्मिकों द्वारा 10 दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यक्रम ह्यसंकल्पह्न के अंतर्गत विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित किये गये। यह कार्यक्रम 12 सितंबर तक चलेगा।

जागरुकता कार्यक्रम के तहत राजकीय नर्सिंग कॉलेज डोभ श्रीकोट, राजकीय इंटर कॉलेज कालेश्वर, राजकीय इंटर कॉलेज जखेटी, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कण्डेरी एवं राजकीय इंटर कॉलेज सतपुली में विद्यार्थियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं को महिला सुरक्षा और बाल अधिकारों से जुड़ी योजनाओं व कानूनों की जानकारी दी गयी। वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासिका लक्ष्मी रावत ने पॉक्सो एक्ट, कार्यस्थल पर महिलाओं का उत्पीड़न अधिनियम, सी-बॉक्स, वन स्टॉप सेंटर योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, 181 महिला हेल्पलाइन, घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम 2005, नंदा गौरा योजना तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऐसे जागरुकता कार्यक्रम महिलाओं और बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति सचेत करने में सहायक साबित होंगे। कार्यगिम में वन स्टॉप सेंटर की परामर्शदाता सोनी सौठियाल, केस वर्कर अमृता रावत, मिशन शक्ति डीएचईडब्ल्यू के जिला मिशन समन्वयक विकास बहुगुणा एवं जेंडर स्पेशलिस्ट बीना रावत उपस्थित रहे।

आत्महत्या किसी भी परिस्थिति का विकल्प नहीं

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश ने विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम हुआ। जिसमें एम्स चिकित्सकों ने छात्र छात्राओं को किसी भी परिस्थिति में आत्महत्या जैसी घटनाओं से बचने को प्रेरित किया। बुधवार को आवास विकास स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ एम्स कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या प्रो. स्मृति अरोड़ा ने किया। उन्होंने प्रेरणादायी उद्बोधन में जीवन के मूल्य, मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल एवं आत्महत्या जैसी प्रवृत्तियों से दूर रहने का संदेश दिया। कहा कि आत्महत्या किसी भी समस्या का हल नहीं है, बल्कि यह परिवार और समाज के लिए गहरी पीड़ा का कारण बनती है।

नंदा देवी राजजात यात्रा की तैयारियां शुरू

एडीएम ने उपयोगिता और आवश्यकता के आधार पर योजनाओं को प्रस्तावित करने के दिए निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश की अध्यक्षता में बुधवार को श्री नंदा राजजात यात्रा की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक ली। इस दौरान विभिन्न विभागों की ओर से राजजात की तैयारियों को लेकर प्रस्तावित कार्यों पर चर्चा की गई।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों का अति आवश्यकता वाले कार्यों के प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने योजनाओं को प्रस्तावित करने से पूर्व कार्य की उपयोगिता और आवश्यकता का ध्यान रखने के भी निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक के दौरान नंदा देवी राजजात यात्रा मार्ग के पैदल रास्तों, सड़क मार्गों, पार्किंग की व्यवस्था, विद्युत, पेयजल और आवास व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। जिस पर अपर जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने से पहले भौतिक स्थिति का निरीक्षण कर योजना बनाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने उप जिलाधिकारियों को यात्रा मार्ग का निरीक्षण कर आवास, पेयजल, बिजली और पार्किंग जैसे मूलभूत सुविधाओं की स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए। वहीं उन्होंने यात्रा मार्ग पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर किए जाने वाले इंतजाम को लेकर उन्होंने पुलिस के अधिकारियों को भी प्रस्ताव भेजे के निर्देश दिए। बैठक में पर्यटन अधिकारी अरविंद गौड़ ने बताया कि नंदा देवी राजजात की तैयारियों को लेकर विभिन्न विभागों की ओर ओर से 121 योजनाओं के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। जिन्हें स्वीकृति हेतु शासन को भेजा गया है। जबकि विभागों की ओर से 125 प्रस्तावों पर जनपद स्तर पर कार्रवाई गतिमान है। बताया कि शासन की ओर से 5 सड़क व सड़क सुरक्षा कार्यों को वित्तीय व प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। जिन्हें लेकर कार्रवाई गतिमान है। इस मौके पर बदरीनाथ वन प्रभाग के वन क्षेत्राधिकारी सर्वेश दूबे, पुलिस उपाधीक्षक अमित सैनी, उप जिलाधिकारी राजकुमार पांडेय, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. अभिषेक गुप्ता सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

स्कूटी सवार युवक को ट्रक ने मारी टक्कर, केस दर्ज

हरिद्वार। स्कूटी सवार युवक को तेज रफ्तार ट्रक में टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे हायर सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में सचिन पुत्र अशोक कुमार निवासी रावली महदूद ने बताया कि उसके चाचा विकास पुत्र इन्द्रपाल निवासी ब्रह्मपुरी, रावली महदूद, रोजाना की तरह सोमवार की शाम अपनी कंपनी हिम गंगे से छुट्टी के बाद स्कूटी से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे राजा बिस्कुट फैक्ट्री के समीप पहुंचे, पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी को जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए।

कृत्रिम अंग वितरण हेतु पहले दिन 120 वृद्धजनों का चयन

देहरादून। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित वयोश्री योजना के अंतर्गत (आयु 60 वर्ष से अधिक) भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम कानपुर, जिला प्रशासन एवं जिला समाज कल्याण विभाग के सहयोग से पहले चरण में 10 सितंबर को स्थान पार्षद कार्यालय निकट शिव मंदिर हरीवाला देहरादून मे शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 120 वृद्धजनों का पंजीकरण किया गया। सभी चयनित 120 वृद्धजनों को आगामी 17 सितंबर को लॉर्ड वेंकटेश्वर वेडिंग पॉइंट, सुभाष रोड देहरादून में कृत्रिम अंगों का वितरण किया जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल ने बताया कि 11 सितंबर को नथुआवाला में भी इसी प्रकार के शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार की ओर से शोविक दास, विशाल मौर्य, कुणाल कटारिया, आशुतोष दीक्षित तथा डीडीआरसी की तरफ से राजेश कुमार, उमेश ग्रोवर एवं जिला समाज कल्याण विभाग देहरादून की ओर से गंभीर सिंह रावत, गगन कुमार थापा और हरीवाला पार्षद देवी दयाल ओडवाल ने प्रतिभाग किया।

स्द्राक्ष के पौधे बांट पर्यावरण और धर्म के प्रति जागस्क किया

ऋषिकेश। श्री परशुराम महासभा की ओर से बुधवार को ऋषिकेश स्थित परशुराम चौक पर पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता के लिए कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान क्षेत्रवासियों को रुद्राक्ष के पौधे बांटकर पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक भी किया गया। राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा कुसुम कंडवाल ने कहा कि परशुराम महासभा विगत कई वर्षों से सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में काम कर रही है। पर्यावरण के संरक्षण संवर्धन की दिशा में प्रोत्साहन करने हेतु आम जनमानस को सभा द्वारा रुद्राक्ष के पौधे भेंट किए गए हैं। निश्चित रूप से इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से हम पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में कार्य कर सकेंगे। महासभा के अध्यक्ष संदीप शास्त्री ने कहा कि परशुराम महासभा प्रत्येक वर्ष हरेला कार्यक्रम के माध्यम से पौधोरोपण कर पर्यावरण के संरक्षण संवर्धन की दिशा में कार्य करती आ रही है। इसी कड़ी में आज परशुराम महासभा द्वारा रुद्राक्ष के पौधों का वितरण किया गया। यह पौधे आम जनमानस को इसलिए दिए गए कि प्रत्येक व्यक्ति अपने घर पर जाकर इन पौधों को लगाएगा, जिससे एक धार्मिक माहौल के साथ–साथ पर्यावरण के संरक्षण संवर्धन की दिशा में भी समाज को प्रेरणा मिलेगी। पौधे पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष दीप शर्मा द्वारा उपलब्ध कराए गए।

एसबीआई शाखा में सुरक्षा के इंतजाम नहीं

ऋषिकेश। मुनिकीरेती में एसबीआई की शाखा बगैर सुरक्षा के ही चल रही है। पुलिस की चेकिंग में इसका पता चला है, जिस पर प्रबंधक को अति शीघ्र सुरक्षा के इंतजाम करने को पुलिस ने कहा है। बावजूद, ऐसा नही होने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। बुधवार को कैलासगेट चौकी प्रभारी राजेंद्र सिंह रावत ने क्षेत्र में आधा दर्जन से ज्यादा बैंक शाखाओं को निरीक्षण किया। वह चौकी के नजदीक ही संचालित एसबीआई की शाखा में पहुंचे, तो उन्हें वहा कोई सुरक्षाकर्मी ही तैनात नहीं दिखा। उन्होंने शाखा प्रबंधक को शीघ्र सुरक्षाकर्मी तैनात करने के लिए कहा। कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखने पर पुलिस को भी इसकी जानकारी देने के लिए अपील की। वही, थानाध्यक्ष प्रदीप चौहान ने बताया कि यह चेकिंग अभियान एसएसपी आयुष अग्रवाल के निर्देश पर चल रहा है, जिसमें बैंकों की सुरक्षा की जांच की जा रही है। उनमें सीसीटीवी कैमरों की स्थिति को भी देखा जा रहा है।

निर्माणाधीन योजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करें

जिलाधिकारी ने की जल जीवन मिशन कार्यों की समीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बुधवार को जल जीवन मिशन के अन्तर्गत संचालित कार्यों की प्रगति समीक्षा की। उन्होंने जल संस्थान और जल निगम को जल जीवन मिशन स्वीकृत योजनाओं को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिन योजनाओं का अधिकांश कार्य हो चुका है, उनको प्राथमिकता पर पूर्ण कराया जाए। विकास खण्ड स्तर से गांवों में किए जा रहे हर घर जल सर्वेक्षण कार्यों को शीघ्र पूरा करें। इसमें जो भी शिकायत या समस्याएं आ रही है उनको तत्काल निस्तारण करते हुए रिपोर्ट उपलब्ध करें। हर घर जल सर्टिफिकेशन और स्रोत की जियो टैगिंग में वांछित प्रगति लाई जाए। जल जीवन मिशन के नोडल अधिकारी/जल संस्थान के अधीक्षण अभियंता सुशील कुमार सैनी ने बताया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत पेयजल योजनाओं के पुनर्गठन एवं जल स्रोतों के सुधारीकरण हेतु दूसरे चरण में जनपद में कुल 571 योजनाओं में से 468 पूर्ण कर ली गई है और 103 योजनाओं का कार्य चल रहा है। हर घर जल के अंतर्गत 1113 गांवों के सापेक्ष 700 गांवों में सत्यापन कार्य पूरा कर लिया गया है। कुल 1337 पेयजल स्रोत में से 1109 स्रोत की जियो टैगिंग कर ली गई है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक त्रिपाठी, जल संस्थान के अधीक्षण अभियंता सुशील कुमार सैनी, आदि मौजूद थे।

अवैध लिंग परीक्षण पर शिकंजा: पीसीपीएनडीटी एक्ट के नियमों को सख्ती से लागू करने के निर्देश

देहरादून। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी (एफआर) केके मिश्रा की अध्यक्षता में पीसीपीएनडीटी जिला सलाहकार समिति की बैठक हुई। जिसमें पीसीपीएनडीटी एक्ट का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान नवीन पंजीकरण हेतु 14 अल्ट्रासाउंड केंद्रों के आवेदनों को समिति के समक्ष रखा गया। जिस पर समिति द्वारा विस्तृत चर्चा की गई।

अपर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि अल्ट्रासाउंड केंद्रों के पंजीकरण एवं नवीनीकरण से पूर्व आवेदकों को उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र, भवन निर्माण हेतु एमडीडीए से प्राप्त एनओसी, अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था संबंधी प्रमाण पत्र और बायो मेडिकल वेस्ट एग्रीमेंट आवेदन के साथ प्रस्तुत करना अनिवार्य है। ऐसा न करने पर किसी भी केंद्र का पंजीकरण और नवीनीकरण नही किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि वांछित अभिलेख उपलब्ध न कराने पर किसी भी केंद्र का पंजीकरण न किया जाए। अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिला निरीक्षण एवं मूल्यांकन समिति जनपद में संचालित सभी केंद्रों का नियमित निरीक्षण एवं समीक्षा करें। केंद्र पर नई मशीन लगाने पर इसकी जांच की जाए। जनपद के ऐसे विकासखंड जहां पर लिंगानुपात कम है वहां पर विशेष ध्यान रखें। अपर जिलाधिकारी ने कड़े शब्दों में कहा कि अल्ट्रासाउंड इस्तेमाल उपचार तक ही सीमित रहे। तकनीक का उपयोग जनहित के लिए हो, भ्रूण परीक्षण जैसे अनैतिक कार्य करने वालों को जिले में कोई जगह नही है। ऐसा कृत्य करते पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाए।

कुंभ मेला तैयारियों पर मेयर ने मेलाधिकारी के साथ की बैठक

हरिद्वार। नगर निगम मेयर किरन जैसल ने कुंभ मेला अधिकारी सोनिका से मुलाकात कर आगामी कुंभ मेले की तैयारियों पर चर्चा की। बैठक में नगर निगम क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न प्रस्तावों पर विमर्श हुआ। मेयर ने बताया कि चौराहों और पार्कों के सौंदर्यीकरण, नगर निगम क्षेत्र में नए पुलों के निर्माण तथा मेला क्षेत्र में आने वाली सड़कों के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही नगर निगम की ओर से अधिक से अधिक व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित कर कुंभ मेले को ऐतिहासिक और भव्य स्वरूप देने का प्रयास किया जाएगा।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com